राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 01 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–186 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तर प्रदेश में खेल-खेल में भाजपा नेता के बेटे से गोली चली, पड़ोसी बच्चे की मौत

अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सिंह ने बताया कि शाम लगभग 6:30 बजे करारी कस्बा निवासी भाजपा के जिला महामंत्री संजय जयसवाल के घर में उनका 10 वर्षीय बेटा पड़ोस के अन्य बच्चों के साथ चोर सिपाही का खेल खेल रहा था।

कौशांबी (उत्तर प्रदेश)। जिले के करारी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता के घर में चोर- सिपाही के खेल में उनके बेटे से लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली चल गई, जिससे पड़ोस के एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सिंह ने बताया कि शनिवार शाम लगभग 6:30 बजे करारी कस्बा निवासी भाजपा के जिला महामंत्री संजय जयसवाल के घर में उनका 10 वर्षीय बेटा पड़ोस के अन्य बच्चों के साथ चोर सिपाही का खेल खेल रहा था। खेल-खेल में ही बच्चे ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर उठा लाया। इसी दौरान बच्चे से रिवॉल्वर से गोली चल गई।

सिंह ने बताया कि रिवॉल्वर की गोली से भाजपा नेता के पड़ोस में रहने वाले रामेश्वर प्रसाद वर्मा के 11 वर्षीय पुत्र अनंत की मौके पर ही मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में शिकायत मिलने पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोदी बोले- घर पर तिरंगा जरूर फहराएं

आजादी की 75वीं सालगिरह मनाना सौभाग्य की बात; शहीद उधम सिंह को नमन किया

नई दिल्ली। मन की बात के 91वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- इस बार मन की बात खास है। इस बार का स्वतंत्रता दिवस, जब भारत आजादी के 75 वर्ष पूरे करेगा। हम सभी अद्भुत और ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं। ईश्वर ने हमें बड़ा सौभाग्य दिया है। अगर हम गुलामी के दौर में पैदा हुए होते तो इस दिन की कल्पना हमारे लिए कैसी होती। पराधीनता की बेड़ियों से आजादी की बेचैनी कितनी बड़ी रही होगी।

हमारे जीवन में वो भी दिन आता है कि भारत माता की जय बोलते हुए हम अपना जीवन अर्पित कर देते हैं। आज ही के दिन 31 जुलाई को हम शहीद उधम सिंह की शहादत को नमन करते हैं। मैं देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों को नमन करता हूं। आजादी का अमृत महोत्सव जनांदोलन का रूप ले रहा है। इससे जुड़ा एक कार्यक्रम मेघालय में हुआ।

शहीद टिरोक सिंह जी ने खासी हिल्स पर नियंत्रण का जमकर विरोध किया। इस आंदोलन की नाटक के जरिए प्रस्तुति हुई और इतिहास को जिंदा कर दिया गया। कार्निवाल में मेघालय की संस्कृति को दिखाया गया। कर्नाटक में एक अनूठा अभियान चलाया गया। 75 जगहों पर भव्य कार्यक्रम हुए। कर्नाटक के स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने के साथ ही स्थानीय साहित्यिक उपलब्धियों को सामने लाया गया।

आजादी के आंदोलन में रेलवे की भूमिका जानना जरूरी

आजादी की रेल गाड़ी और रेलवे स्टेशन जैसे नए कदम इसी महीने उठाए गए। लक्ष्य है कि लोग आजादी के आंदोलन में रेलवे की भूमिका को जानें। झारखंड के गोमो जंक्शन को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन के नाम से जाना जाता है। इसी स्टेशन पर कालका मेल में सवार होकर नेताजी ब्रिटिश अफसरों को चकमा देने में सफल हुए। लखनऊ के पास काकोरी का नाम भी सुना होगा। इससे बिस्मिल जी और अश्फाक जैसे

● हमारे जीवन में वो भी दिन आता है कि भारत माता की जय बोलते हुए हम अपना जीवन अर्पित कर देते हैं। आज ही के दिन 31 जुलाई को हम शहीद उधम सिंह की शहादत को नमन करते हैं। मैं देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों को नमन करता हूं।

जांबाजों का नाम जुड़ा है। क्रांतिकारियों ने ट्रेन से जा रहे अंग्रेजों के खजाने को लूटकर अंग्रेजी हुकूमत को अपनी ताकत का अहसास दिलाया था।

देशभर के 24 राज्यों में फैले 75 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है। इन्हें सजाया जा रहा है। कार्यक्रम हो रहे हैं। आपको भी समय निकालकर पास के ऐसे ऐतिहासिक स्टेशन पर जरूर जाना चाहिए। आपको ऐसे इतिहास का पता चलेगा, जिनसे आप अंजान रहे हैं। स्कूल के बच्चों को लेकर ऐसे स्टेशनों पर जाना चाहिए।

अपने घर पर तिरंगा जरूर फहराएं

13 से 15 अगस्त तक स्पेशल मूवमेंट हर घर तिरंगा का आयोजन किया जा रहा है। आप अपने घर पर तिरंगा जरूर फहराएं। अपने घर पर लगाएं। तिरंगा हमें जोड़ता है और देश के लिए कुछ करने को प्रेरित करता है। अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पिक्चर में तिरंगा ला सकते हैं। 2 अगस्त को पिंगली वेंकैया की जयंती है। उन्होंने ही राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन किया। महान क्रांतिकारी मैडम कामा ने तिरंगे को आकार दिया।

PM ने पिछली मन की बात में इमरजेंसी का किया था जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले मन की बात कार्यक्रम में इमरजेंसी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि उस दौरान देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए गए थे, उसमें जीने का अधिकार भी शामिल था। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के उस समय जैसा तानाशाही का दूसरा उदाहरण दुनिया में मिलना मुश्किल है।

पीएम मोदी ने इमरजेंसी के समय को याद करते हुए कहा था कि उस दौरान भारत के लोकतंत्र को कुचल देने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतें, हर संवैधानिक संस्था, प्रेस, सब पर नियंत्रण लगा दिया गया था। सेंसरशिप की ये हालत थी कि बिना स्वीकृति कुछ भी छापा नहीं जा सकता था। मुझे याद है, तब मशहूर गायक किशोर कुमार जी ने सरकार की वाह-वाही करने से इनकार किया तो उन पर बैन लगा दिया गया था। रेडियो पर से उनकी एंट्री ही हटा दी गई थी।

नेपाल के काठमांडू में भूकंप के झटके, बिहार के कई जिलों में भी हिली धरती; 5.5 की थी तीव्रता

नई दिल्ली। नेपाल के काठमांडू में रविवार की सुबह 7 बजकर 58 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.5 मापी गई है। काठमांडू से 147 किमी दक्षिण-पूर्व में इसका केंद्र था।

नेपाल में भूकंप के कारण बिहार के कुछ जिलों में भी इसके झटके महसूस किए हैं। राजधानी पटना समेत सहरसा, पूर्णिया, मधेपुरा, कटिहार, अररिया, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी और मोतिहारी सहित कई जिलों में हल्के झटके महसूस किये गए। हालांकि कहीं से भी अभी तक जानमाल या किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

भूकंप आने पर क्या करें?

- भूकंप आने के बाद अगर आप घर में हैं तो कोशिश करें कि फर्श पर बैठ जाएं।
- या फिर अगर आपके घर में टेबल या फर्नीचर है तो उसके नीचे बैठकर हाथ से सिर को ढक लेना चाहिए।
- भूकंप आने के दौरान घर के अंदर ही रहें और जब झटके रुकने के बाद ही बाहर निकलें।
- भूकंप के दौरान घर के सभी बिजली स्विच

को ऑफ कर दें।

भूकंप आने पर क्या ना करें?

- भूकंप के वक्त लिफ्ट का इस्तेमाल तो भूलकर भी न करें।
- भूकंप आने पर अगर आप घर में हैं तो दरवाजे, खिड़कियों और दीवारों से दूर रहें।
- भूकंप के समय अगर आप घर में हैं तो बाहर न निकलें। जहां हैं वही खुद को सुरक्षित करने के प्रयास करें।
- भूकंप के वक्त अगर आप घर से बाहर है तो कोशिश करें कि ऊंची इमारतों और बिजली के खंभों से दूर रहें।

आधार न होने पर मतदाता सूची से अब बाहर नहीं होगा कोई, चुनाव आयोग ने बनाया कानून

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए किसी भी आवेदन को अस्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि किसी व्यक्ति द्वारा आधार संख्या प्रस्तुत करने या सूचित करने में असमर्थता के लिए मतदाता सूची में दर्ज किसी भी रिकार्ड को हटाया नहीं जाएगा।

चुनाव आयोग ने बनाया कानून-बता दें कि मौजूदा मतदाताओं के आधार संख्या के संग्रह के लिए एक अगस्त से एक समयबद्ध अभियान शुरू किया जा रहा है। मतदाता सूची के आंकड़ों के साथ आधार संख्या को जोड़ने के लिए संशोधित पंजीकरण फॉर्म में मतदाताओं के आधार विवरण प्राप्त करने का प्रावधान किया गया है। मौजूदा मतदाताओं की आधार संख्या एकत्र करने के लिए एक नया फॉर्म-6 बी भी पेश किया गया है। हालांकि, मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए किसी भी आवेदन को अस्वीकार नहीं किया

जाएगा और किसी व्यक्ति द्वारा आधार संख्या प्रस्तुत करने या सूचित करने में असमर्थता के लिए मतदाता सूची में दर्ज जानकारी नहीं हटाई जाएगी।

चुनाव आयोग ने दिया इस बात पर जोर-चुनाव आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि आवेदकों की आधार संख्या को संभालते समय, आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 की धारा 37 के तहत प्रावधान का पालन किया जाना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में इसे सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। 1 अगस्त 2022 से मौजूदा मतदाताओं के आधार संख्या के संग्रह के लिए एक समयबद्ध अभियान शुरू किया जा रहा है। इसमें आधार नंबर देना पूरी तरह से स्वैच्छिक है। कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं की पहचान स्थापित करना और मतदाता सूची में प्रविष्टियों का प्रमाणीकरण करना है।

5 जनवरी 2023 को प्रकाशित की जाएगी अंतिम मतदाता सूची

चुनाव आयोग के अनुसार, मतदाता का नाम मतदाता सूची में केवल उसी स्थान पर हटाया जाएगा, जहां वह सामान्य रूप से निवास नहीं करता है। मतदाता सूची में सुधार के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया है। चुनाव आयोग ने हाल ही में सभी राज्यों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को तकनीकी-सक्षम समाधान तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि युवाओं को अपने अग्रिम आवेदन दाखिल करने की सुविधा मिल सके। इस बार अंतिम मतदाता सूची 5 जनवरी 2023 को प्रकाशित की जाएगी।

अर्पिता मुखर्जी पर IPS ऑफिसर का ट्वीट हो गया वायरल,

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार से निलंबित मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी पर किया गया IPS ऑफिसर का ट्वीट वायरल हो गया है। आईपीएस अधिकारी अरुण बोथरा ने 28 जुलाई को यह ट्वीट किया था। इससे एक दिन पहले पार्थ और अर्पिता की गिरफ्तारी हुई। मालूम हो कि प्रवर्तन निदेशालय टीचर भर्ती घोटाला मामले में पार्थ चटर्जी के खिलाफ जांच कर रहा है। आईपीएस अधिकारी अरुण बोथरा ने ट्वीट करके कहा, कुछ भी कहो पर अर्पिता जी ने वफादारी की मिसाल कायम की है। खुद के ऊपर सोसाइटी के 11,809 रुपये बाकी थे, दरवाजे पर नोटिस लग गया पर दूसरे के पैसे को पूरा संभाल कर रखा।

अर्पिता के फ्लैट से बरामद हुए इतने करोड़ रुपये

शिक्षक भर्ती घोटाले में 22 जुलाई को अर्पिता मुखर्जी के फ्लैट से 21 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। इसके एक दिन बाद ईडी ने अर्पिता मुखर्जी और पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन बाद ईडी ने मुखर्जी के एक अन्य फ्लैट से 29 करोड़ रुपये बरामद किए। इसके अलावा उनके तीसरे फ्लैट से 2 करोड़ रुपये बरामद हुए।

बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू-बता दें कि ईडी ने पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी के पांच बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच एजेंसी के सीनियर अधिकारी ने कहा कि मुखर्जी की कई फर्जी कंपनियों के बैंक खाते भी ईडी की जांच के दायरे में हैं। अधिकारी ने बताया, मुखर्जी के पांच बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने लश्कर के दो हाइब्रिड आतंकियों को पकड़ा, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले से सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इन दहशतगर्दों के पास से दो पिस्तौल, पिस्तौल की दो मैगजीन और 11 कारतूस भी बरामद हुई हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'सोपोर (बारामूला जिले) में पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।'

प्रवक्ता के मुताबिक, आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में विशेष सूचना के आधार पर हादीपोरा-रफियाबाद में सुरक्षा बलों की ओर से एक संयुक्त चौकी स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा, 'जांच के दौरान

संयुक्त दल ने लोरिहामा लिंक रोड से हद्दीपोरा की ओर आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका, जिन्होंने संयुक्त नाका दल को देखकर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया।'

श्रीनगर के रंगरेथ के रहने वाले हैं दोनों आतंकी

गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादियों की पहचान तारिक अहमद वानी और इशफाक अहमद वानी के रूप में हुई है, जो श्रीनगर के रंगरेथ के रहने वाले हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दहशतगर्दों से पूछताछ की जा रही है। इससे मिली जानकारी के आधार के पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बारामूला में मुठभेड़ में लश्कर का एक आतंकी मारा गया

वहीं, बारामूला जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने बताया कि आतंकवादी की पहचान इरशाद अहमद के रूप में की गई है, जो बारामूला के पट्टन का रहने वाला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के बिन्नेर क्षेत्र में आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना के आधार पर शनिवार शाम को इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान चलाया गया।

झारखंड सरकार गिराने के लिए 'ऑपरेशन लोटस', MLAs के पास से नकदी बरामद होने पर कांग्रेस का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भाजपा पर झारखंड में 'ऑपरेशन लोटस' के जरिए सरकार को गिराने का आरोप लगाया है। कांग्रेसियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा में पार्टी के तीन विधायकों के पास से बड़ी मात्रा में कैश बरामदी के बाद यह साफ हो गया है। मालूम हो कि कांग्रेस पहले भी भाजपा पर हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली अपनी गठबंधन सरकार को गिराने की कोशिश का आरोप लगाती रही है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करके कहा, झारखंड में भाजपा का ऑपरेशन लोटस हावड़ा में एक्सपोज हो गया। दिल्ली में हम दो का गेम प्लान अब झारखंड के लिए है, जो कि उन्होंने महाराष्ट्र में श्व-ष्ठ जोड़े को लाकर किया। मालूम हो कि जयराम श्व-ष्ठ के जरिए महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से इशारा कर रहे थे।

नकदी गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी

झारखंड से कांग्रेस के तीन विधायकों को शनिवार रात पुलिस ने

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में रोका। उनके वाहन से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर जिस वाहन में विधायक

इरफान अंसारी, राजेश कच्चाप और नमन बिक्सल कोंगरी सवार थे, उसे पांचला पुलिस थाना क्षेत्र के रानीहाती में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर रोका गया।

बिहार के स्कूलों में रविवार को हो छुट्टी या शुक्रवार को? शिक्षा मंत्री की ओर से आया बड़ा बयान

हावड़ा (ग्रामीण) की पुलिस अधीक्षक स्वाति भांगलिया ने कहा, हमें सटीक सूचना मिली थी कि काले रंग की एक कार में भारी मात्रा में पैसा ले जाया जा रहा है। हमने वाहनों की तलाशी शुरू कर दी और इस कार को रोका, जिसमें तीन विधायक सवार थे। कार से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। नकदी गिनने के लिए मशीन मंगवाई जा रही है। विधायकों से भी धन के स्रोत और इसे कहां ले जाया जा रहा था, इसके बारे में पूछताछ की जा रही है।

हेमंत सोरेन सरकार को गिराने की भाजपा की साजिश

कांग्रेस की झारखंड इकाई ने भी दावा किया कि भारी मात्रा में यह नकदी हेमंत सोरेन सरकार को गिराने की भाजपा की साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस राज्य में लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ सोरेन सरकार का हिस्सा है। झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु टिर्की ने कहा, ऐसा लगता है कि यह भाजपा की साजिश है। हेमंत सोरेन सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही भाजपा उसे अस्थिर करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि अगर हम देखें कि महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में क्या हुआ तो यह साफ हो जाएगा कि भाजपा सरकारों को सत्ता से बाहर करने के लिए धन का प्रयोग करती है। मैं पार्टी आलाकमान से इन तीन विधायकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं, ताकि पार्टी के अन्य सदस्यों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

कलाकार प्रकृति का प्रेमी है अत- वह उसका दास भी है और स्वामी भी। - रवींद्रनाथ ठाकुर

संपादकीय

कोश्यारी की गलती क्या है?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के एक बयान को लेकर महाराष्ट्र के नेता लोग कैसा धमाल मचा रहे हैं ? कोश्यारी ने मारवाड़ियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि यदि मारवाड़ी और गुजराती व्यापारियों को हटा दिया जाए तो मुंबई देश की आर्थिक राजधानी नहीं रह पाएगी। कोश्यारी के इस बयान में गलत क्या है? उन्होंने जो सर्वमान्य तथ्य है, उसे बस कहा भर है। उन्होंने महाराष्ट्र के मराठों और दक्षिण भारतीयों के बारे में कोई ऐसी बात नहीं कही, जो अपमानजनक या आपत्तिजनक है। उन्होंने मुंबई के मारवाड़ी और गुजराती सेठों की पीठ ठोककर महाराष्ट्र का भला ही किया है। सेठों को यह नहीं लगेगा कि वे महाराष्ट्र पर कोई बोझा हैं। कोश्यारी के बयान से वे थोड़े और उत्साहित हो जाएंगे। जहां तक मराठीभाषी लोगों का सवाल है, उन्होंने ऐसा एक शब्द भी नहीं बोला, जिससे उनका अपमान हो या अवमूल्यन हो। जब पक्ष और विपक्ष के सभी नेताओं ने उनके बयान की आलोचना की तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनके अभिप्राय को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। वे मराठी लोगों के योगदान के प्रशंसक हैं लेकिन ज़रा हम देखें कि महाराष्ट्र के सभी नेता कैसी भेड़चाल चल रहे हैं। भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस आदि सभी दलों के नेताओं ने राज्यपाल के बयान को या तो गलत बताया है या उसकी कड़ी भर्त्सना की है। हर नेता मराठीभाषी मतदाताओं को खुश करने के लालच में फिसलता गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अपना मौन तोड़ दिया। किसी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि अधमरी शिवसेना के पति उद्धव ठाकरे को कोई मुंहतोड़ जवाब देता। ठाकरे ने शिष्टता की सारी मर्यादाओं का उल्लंघन कर दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्यपाल को इस वक्त 'कोल्हापुरी चप्पल' दिखाने का वक्त है। इतना फूहड़ बयान तो किसी नेता का आज तक हमने कभी सुना नहीं। जो व्यक्ति महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री रह चुका हो, वह एक बुजुर्ग राज्यपाल के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने राज्यपाल कोश्यारी पर 'नमकहरामी' होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से कोश्यारी महाराष्ट्रियनों का नमक खा रहे हैं और फिर भी उनकी निंदा कर रहे हैं। वे मराठी और गैर-मराठी लोगों में दुश्मनी पैदा कर रहे हैं। उन्हें बर्खास्त किया जाए या जेल भेजा जाए। ये सारे विषाक्त वाक्य क्या बता रहे हैं? यही कि उद्धव ठाकरे की हताशा चरम सीमा पर है। वे अपने खाली झुनझुने को पूरी ताकत से हिला रहे हैं। उनका बयान सुनकर मराठी-मानुस उन पर हंसने के अलावा क्या कर सकते हैं? वे अब चाहें तो मारवाड़ियों और गुजरातियों को महाराष्ट्र से भगाने का अभियान भी चला सकते हैं लेकिन कांग्रेस और शरद पवार कांग्रेस की गोद में बैठकर सत्ता-सुख भोगनेवाले ठाकरे परिवार की बौखलाहट पर अब मराठी लोग कान क्यों देंगे? महाराष्ट्र के लोगों को पता है कि ठाकरे परिवार ऐसा अभियान चला देगा तो महाराष्ट्र के कई शहरों में लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे।

आज के कार्टुन

सूर्य पर संयम

आचार्य रजनीश ओशो/ बाहर के सूर्य की भांति मनुष्य के भीतर भी सूर्य छिपा हुआ है, बाहर के चांद की ही भांति मनुष्य के भीतर भी चांद छिपा हुआ है। और पंतजलि का रस इसी में है कि वे अंतर्जगत के आंतरिक व्यक्तित्व का संपूर्ण भूगोल हमें दे देना चाहते हैं। इसलिए जब वे कहते हैं-'भुवन ज्ञानम्? सूर्ये संयमात।' - सूर्य पर संयम संपन्न करने से सौर ज्ञान की उपलब्धि होती है।' तो उनका संकेत उस सूर्य की ओर नहीं हैं,जो बाहर है। उनका मतलब उस सूर्य से है जो हमारे भीतर है। हमारे भीतर का सूर्य प्रजनन-तंत्र की गहनता में छिपा हुआ है। इसीलिए कामवासना में एक प्रकार की ऊष्णता, एक प्रकार की गर्मी होती है। कामवासना का केंद्र सूर्य होता है। इसीलिए तो कामवासना व्यक्ति को इतना ऊष्ण और उत्तेजित कर देती है। जब कोई व्यक्ति कामवासना में उतरता है तो वह उत्तप्त से उत्तप्त होता चला जाता है। जब व्यक्ति कामवासना से थक जाता है तो तुरंत भीतर चंद्र ऊर्जा सक्रिय हो जाती है। जब सूर्य छिप जाता है तब चंद्र का उदय होता है। इसीलिए तो काम-क्रीड़ा के तुरंत बाद व्यक्ति को नींद आने लगती है। सूर्य ऊर्जा का काम समाप्त हो चुका, अब चंद्र ऊर्जा का कार्य प्रारंभ होता है। भीतर की सूर्य ऊर्जा काम-केंद्र है। उस सूर्य ऊर्जा पर संयम केंद्रित करने से, व्यक्ति भीतर के संपूर्ण सौर-तंत्र को जान ले सकता है। काम-केंद्र पर संयम करने से व्यक्ति काम के पार जाने में सक्षम हो जाता है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति भीतर के सूर्य को जान लेता है तो उसके प्रतिबिंब से वह बाहर के सूर्य को भी जान सकता है। सूर्य इस अस्तित्व के सौर-मंडल का काम-केंद्र है। इसी कारण जिसमें भी जीवन है, प्राण है, उसको सूर्य की रोशनी, सूर्य की गर्मी को आवश्यकता है। काम भीतर का सूर्य है, और सूर्य सौर-मंडल का काम-केंद्र है। इस पृथ्वी के लोगों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है, सूर्य-व्यक्ति और चंद्र-व्यक्ति, या हम उन्हें यांग और यिन भी कह सकते हैं। सूर्य पुरुष का गुण है; स्त्री चंद्र का गुण है। सूर्य आक्रामक होता है, सूर्य सकारात्मक है; चंद्र ग्रहणशील होता है, निष्क्रिय होता है। हम अपने शरीर को भी सूर्य और चंद्र में विभक्त कर सकते हैं। योग ने इसे इसी भांति विभक्त किया है। योग म् तो संपूर्ण शरीर को ही विभक्त कर दिया गया है ः मन का एक हिस्सा पुरुष है, मन का दूसरा हिस्सा स्त्री है। और व्यक्ति को सूर्य से चंद्र की ओर बढ़ना है, और अंत में दोनों के भी पार जाना है, दोनों का अतिक्रमण करना है।

मतदाता की विशिष्ट पहचान, रुकेगा फर्जी मतदान

- ऋतुपर्ण दवे

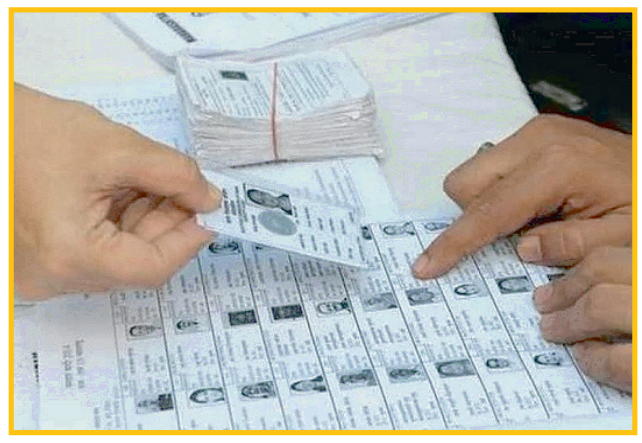

भारत में फर्जी मतदान और दो जगहों पर दर्ज मतदाता, लोकतंत्र के लिए शुरू से बड़ी चुनौती रहे हैं। लेकिन अब बहुत जल्द यह सब बीते दिनों की बातें होकर रह जाएंगी। निश्चित रूप से इसके लिए तकनीक का ही सहारा होगा। यह दौर दुनिया में तकनीक का है। पहचान से लेकर सुरक्षा और आम जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक बेहद उपयोगी साबित हो रही है। तकनीक के चलते ही डिजिटल से लेकर कैशलेस और पेपरलेस होने की अवधारणा न केवल सही हुई है बल्कि काफी हद तक करोड़ों-करोड़ पेड़ों को बचाकर पर्यावरण के लिए भी उपयोगी साबित हुई। ऐसे में बहुत जल्द ही वह दौर आएगा जब हरेक इंसान यहाँ तक कि हर किसी की चाहे वस्तु हो या इंसान या जीव-जन्तु सबकी पहचान बस कोडिंग से होगी। इसकी शुरुआत हो चुकी है और तेजी से हर रोज दुनिया भर में विस्तार हो भी रहा है। यदि सब कुछ ऐसा ही चलता रहा तो जो बचा-खुचा है वह तेजी से कोडिंग या नंबरों की दुनिया में सिमट कर रह जाएगा और सबकी अपनी एक डिजिटल और यूनिवर्सल पहचान होगी। ऐसे में बस चंद बरस बल्कि कहें कि कुछ महीने शेष रह गए हैं जब भारत में फर्जी मतदाता और मतदान जो दो जगह नाम दर्ज होने या फर्जी पहचान पत्र के चलते बड़े पैमाने पर होता था, बीते दिनों की बातें हो जाएँगी। तैयारी कुछ इस तरह से हो रही है कि अगले आम चुनाव यानी 2024 तक सारे देश के मतदाताओं की अपनी यूनिक पहचान होगी जिससे अक्सर एक व्यक्ति के एक से ज्यादा मतदाता पहचान पत्र होने या मतदाता सूची में नाम दर्ज होने पर रोक लग जाएगी और सही मतदाता ही सही ठिकाने पर मतदान कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने मतदाता परिचय पत्र यानी मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने यानी लिंक करने के आदेश दे दिए हैं। इस पर 1 अगस्त से काम भी शुरू हो रहा है। जल्द ही पूरे देश में मतदाताओं को आधार के जरिए लिंक किया जाएगा। हालांकि पहले से ही आधार कार्ड को कई जरूरी दस्तावेजों से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हाँ यदि उसी समय यह दूरदर्शी कदम उठा लिया जाता तो एक साथ दोनों काम हो सकते थे। इससे काफी धन व समय दोनों की बचत होती और अब तक कई चुनाव फर्जी मतदाताओं से बेदाग हो चुके होते। इसी 25 मार्च को लोकसभा में प्रश्नकाल में सदस्यों के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी बताया था कि सरकार देश में फर्जी मतदान रोकने के लिए एक देश, एक मतदाता सूची की अवधारणा पर भी विचार कर रही है। इसके साथ ऑनलाइन मतदान प्रणाली पर भी विचार की बात कही थी। पूरे देश में फर्जी मतदान रोकने के लिए सभी राज्यों एवं केंद्र शासित राज्यों के लिए केवल एक ही मतदाता सूची लाने का विचार है। किरेन रिजिजू ने यह भी बताया था कि निर्वाचन आयोग से इस संबंध में बात हुई है। मतदाता सूची को आधार के साथ लिंक करने का प्रावधान रखा गया है। अभी यह स्वैच्छिक है लेकिन देर-सबेर अनिवार्य तो होना ही है। सरकार की इस पहल से फर्जी मतदान एक झटके में रुक जाएगा। हालांकि वर्तमान में भी फर्जी मतदाताओं को पकड़ने और उन्हें दंडित किए जाने के लिए कानून में प्रावधान है लेकिन यह भी सच है कि कहीं न कहीं फर्जी मतदाताओं का उपयोग प्रभावशाली राजनीतिक दल या लोग करते थे जिस पर अंततोगत्वा ज्यादा कुछ हो नहीं पाता था। अक्सर चुनावों के समय हर कहीं से फर्जी मतदाताओं को जोड़ने या मतदान कराने की शिकायतें हमारे देश में आम हैं। कहीं सैकड़ों की संख्या में तो कहीं हजारों की संख्या में बोगस नामों को जोड़ने के न जाने कितने मामले सुनने में आते हैं। लेकिन बावजूद तमाम चुनावी सुधारों और कवायदों के न तो फर्जी मतदाता रुक पा रहे थे और न फर्जी मतदान। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। पहले ग्रामीण व दूर दराज वाली जगहों पर दबंगों का कब्जा या बूथ पर लठैतों का पेटी लूटकर मतदान पत्र छापने की बातें खूब होती थीं। अब ईवीएम लूटने, बटन दबाने की घटनाएँ भी सामने आईं। मतदाताओं को डरा- धमका कर भी मतदान कराने की बातें हुईं। लेकिन बावजूद इन सबके चुनाव सुधार से इनकार नहीं किया जा सकता। अब जब फर्जी मतदाता रोकने या एक मतदाता एक मतदान की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है जिससे आधार से लिंक होते ही व्यक्ति की पहचान हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के बाद एक से ज्यादा मतदाता परिचय पत्र रखने वालों पर रोक लगेगी और चुनाव व्यवस्था बेहतर होगी जिससे फर्जी मतदान नहीं होगा। नए नियमों के अनुसार 1 अप्रैल 2023 या उससे पहले तक वोटर लिस्ट में जिनके भी नाम हैं, उन्हें अपना आधार नंबर बताना होगा। 1 अगस्त 2022 से प्रस्तावित नए बदलाव में फॉर्म 6बी भरकर देना होगा। यदि किसी मतदाता के पास आधार ना भी हो तो उसे लिखकर देना होगा। लेकिन यहाँ भी दोहरे मतदाता परिचय पत्र से बचने के लिए सरकार ने एक तरीका ढूंढ निकाला है जिसमें आधार न होने पर मतदाता परिचय पत्र को 11 दस्तावेजों में से क्रॉस चेक के जरिए जरिए प्रमाणित करवाना होगा। इससे मतदाता सूची में नाम जोड़ने और जुड़वाने वाले बीएलओ या मतदाता दोनों ही खुद-ब-खुद राडार पर आ जाएँगे। जाहिर है आधार से जुड़ते ही सबकुछ साफ हो जाएगा। निश्चित रूप से खामियों या साजिशन होने वाले फर्जी मतदान पर रोक लग जाएगी। चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए केवल 1-2 प्रतिशत मत ही काफी होते हैं। ऐसे में इतने ही फर्जी मतदाताओं से मतदान करा जीतने वालों के अंकगणित पर पानी फिर जाएगा। इसमें अक्सर बुर्के और घूँघट पर भी मतदान के दौरान सवाल उठते रहे हैं। अब संभव है कि मतदान के दौरान मतदाता की पहचान हाईटेक बायोमैट्रिक पद्धति से हो, जिससे बोगस मतदान असंभव हो जाए और स्वचलित रूप से मतदाता की उपस्थिति का आंकड़ा ईवीएम से इतर अलग मशीन में फीड किया जाए जिससे हर वक्त मतदान का प्रतिशत पता रहे तथा मतदान दल का समय और सहूलियतें भी बढ़ेंगी। साथ ही फर्जी मतदान पर भी पूर्ण विराम लगेगा। वैसे भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली, गैस सब्सीडी, बैंक खातों, तमाम सरकारी योजनाओं में आधार अनिवार्य है तो मतदान के लिए भी इसे अनिवार्य कर फर्जी मतदाता व मतदान को तो रोका ही जा सकता है। यकीनन मतदाता को आधार से लिंक करना एक बड़ा सुधारवादी कदम होना तय है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

(1अगस्त) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्य तिथि

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म- 23जुलाई 1856 - मृत्यु -1 अगस्त 1920 एक भारतीय राष्ट्रवादी, शिक्षक, समाज सुधारक, वकील और एक स्वतन्त्रता सेनानी थे। ये भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के पहले लोकप्रिय नेता हुए; ब्रिटिश औपनिवेशिक प्राधिकारी उन्हें 'भारतीय अशान्ति के पिता' कहते थे। उन्हें, 'लोकमान्य' का आदरणीय शीर्षक भी प्राप्त हुआ, जिसका अर्थ हैं लोगों द्वारा स्वीकृत (उनके नायक के रूप में)। लोकमान्य तिलक जी ब्रिटिश राज के दौरान स्वराज के सबसे पहले और मजबूत अधिवक्ताओं में से एक थे, तथा भारतीय अन्त :करण में एक प्रबल आमूल परिवर्तनवादी थे। उनका मराठी भाषा में दिया गया नारा 'स्वराज्य हा माझा जन्मसिद्ध हक्क आहे आणि तो मी मिळवणारच' (स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं उसे लेकर ही रहूँगा) बहुत प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कई नेताओं से एक क़रीबी सन्धि बनाई, जिनमें बिपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय, अरविन्द घोष और वी0 ओ0 चिदम्बरम पिल्लै शामिल थे। लोकमान्य तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को ब्रिटिश भारत में वर्तमान महाराष्ट्र स्थित रत्नागिरी जिले के एक गाँव चिखली में हुआ था। ये आधुनिक कालेज शिक्षा पाने वाली पहली भारतीय पीढ़ी में से एक थे। इन्होंने कुछ समय तक स्कूल और कालेजों में गणित पढ़ाया। अंग्रेजी शिक्षा के ये घोर आलोचक थे और मानते थे कि यह भारतीय सभ्यता के प्रति अनादर सिखाती है। इन्होंने दक्कन शिक्षा सोसायटी की स्थापना की ताकि भारत में शिक्षा का स्तर सुधरे। सन 1907 में सूरत कांग्रेस के पश्चात राष्ट्रवादियों की सभा को सम्बोधित करते हुए बालगंगाधर तिलक । इस सभा की अध्यक्षता अरविन्द घोष ने की थी। लोकमान्य तिलक ने इंग्लिश मे मराठा व मराठी में केसरी नाम से दो दैनिक समाचार पत्र शुरू किये जो जनता में बहुत लोकप्रिय हुए। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजी शासन की क्रूरता और भारतीय संस्कृति के प्रति हीन भावना की बहुत आलोचना की। उन्होंने माँग की कि ब्रिटिश सरकार तुरन्त भारतीयों को पूर्ण स्वराज दे। केसरी में छपने वाले उनके लेखों की वजह से उन्हें कई बार जेल भेजा गया। लोकमान्य तिलक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए लेकिन जल्द ही वे कांग्रेस के नरमपंथी रवैये के विरुद्ध बोलने लगे। 1907 में कांग्रेस गरम दल और नरम दल में विभाजित हो गयी। गरम दल में लोकमान्य तिलक के साथ लाला लाजपत राय और श्री बिपिन चन्द्र पाल शामिल थे। इन तीनों को लाल-बाल-पाल के नाम से जाना जाने लगा। 1908 में लोकमान्य तिलक ने क्रान्तिकारी प्रफुल्ल चाकी और क्रान्तिकारी खुदीराम बोस के बम हमले का समर्थन किया जिसकी वजह से उन्हें बर्मा (अब म्यांमार) स्थित मांडले की जेल भेज दिया गया। जेल से छूटकर वे फिर कांग्रेस में शामिल हो गये और 1916 में एनी बेसेंट जी और मुहम्मद अली जिन्ना के समकालीन होम रूल लीग की स्थापना की . लोकमान्य तिलक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से 1890 में जुड़े। हालांकि, उसकी मध्य अभिवृत्ति, खासकर जो स्वराज्य हेतु लड़ाई के प्रति थी, वे उसके ख़िलाफ़ थे। वे अपने समय के सबसे प्रख्यात आमूल परिवर्तनवादियों में से एक थे। अल्पायु में विवाह करने के व्यक्तिगत रूप से विरोधी होने के बावजूद, लोकमान्य तिलक 1891 एज ऑफ़ कंसेन्ट विधेयक के खिलाफ थे, क्योंकि वे उसे हिन्दू धर्म में अतिक्रमण और एक खतरनाक उदाहरण के रूप में देख रहे थे। इस अधिनियम ने लड़की के विवाह करने की न्यूनतम आयु को 10 से बढ़ाकर 12 वर्ष कर दिया था। लोकमान्य तिलक ने अपने पत्र केसरी में 'देश का दुर्भाग्य' नामक शीर्षक से लेख लिखा जिसमें ब्रिटिश सरकार की नीतियों का विरोध किया। उनको भारतीय दंड संहिता की धारा 124 -ए के अन्तर्गत राजद्रोह के अभियोग में 27 जुलाई 1897 को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें 6 वर्ष के कठोर कारावास के अंतर्गत माण्डले (बर्मा) जेल में बन्द कर दिया गया। भारतीय दंड संहिता में धारा 124 -ए ब्रिटिश सरकार ने 1870 में जोड़ा था जिसके अंतर्गत 'भारत में विधि द्वारा स्थापित ब्रिटिश सरकार के प्रति विरोध की भावना भड़काने वाले व्यक्ति को 3 साल की कैद से लेकर आजीवन देश निकाला तक की सजा दिए जाने का प्रावधान था।' 1898 में ब्रिटिश सरकार ने धारा 124 -ए में संशोधन किया और दंड संहिता में नई धारा 153 -ए जोड़ी जिसके अंतर्गत 'अगर कोई व्यक्ति सरकार की मानहानि करता है यह विभिन्न वर्गों में नफरत फैलाता है या अंग्रेजों के विरुद्ध घृणा का प्रचार करता है तो यह भी अपराध होगा।' ब्रिटिश सरकार ने लोकमान्य तिलक को 6 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई, इस दौरान कारावास में लोकमान्य तिलक ने कुछ किताबो की मांग की लेकिन ब्रिटिश सरकार ने उन्हे ऐसे किसी पत्र को लिखने पर रोक लगवा दी थी जिसमे राजनैतिक गतिविधियां हो। लोकमान्य तिलक ने कारावास में एक किताब भी लिखी, कारावास पूर्ण होने के कुछ समय पूर्व ही बाल गंगाधर तिलक की पत्नी का स्वर्गवास हो गया, इस दुखद खबर की जानकारी उन्हे जेल में एक ख़त से प्राप्त हुई। और लोकमान्य तिलक को इस बात का बेहद अफसोस था की वे अपनी मृतक पत्नी के अंतिम दर्शन भी नहीं कर सकते। बाल गंगाधर तिलक ने एनी बेसेंट जी की मदद से होम रुल लीग की स्थापना की 7होम रूल आन्दोलन के दौरान बाल गंगाधर तिलक को काफी प्रसिद्धी मिली, जिस कारण उन्हें 'लोकमान्य' की उपाधि मिली थी। अप्रैल 1916 में उन्होंने होम रूल लीग की स्थापना की थी। इस आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य भारत में स्वराज स्थापित करना था। । यह कोई सत्याग्रह आन्दोलन जैसा नहीं था। इसमें चार या पांच लोगों की टुकड़ियां बनाई जाती थी जो पूरे भारत में बड़े-बड़े राजनेताओं और वकीलों से मिलकर होम रूल लीग का मतलब समझाया करते थे। एनी बेसेंट जी जो कि आयरलैंड से भारत आई हुई थीं। उन्होंने वहां पर होमरूल लीग जैसा प्रयोग देखा था, उसी तरह का प्रयोग उन्होंने भारत में करने का सोचा। उन्होंने सबसे पहले ब्रिटिश राज के दौरान पूर्ण स्वराज की मांग उठाई। लोकमान्य तिलक ने जनजागृति का कार्यक्रम पूरा करने के लिए महाराष्ट्र में गणेश उत्सव तथा शिवाजी उत्सव सप्ताह भर मनाना प्रारंभ किया। इन त्योहारों के माध्यम से जनता में देशप्रेम और अंग्रेजों के अन्यायों के विरुद्ध संघर्ष का साहस भरा गया। नागरी प्रचारिणी सभा के वार्षिक सम्मेलन में भाषण करते हुए उन्होने पूरे भारत के लिए समान लिपि के रूप में देवनागरी की वकालत की और कहा कि समान लिपि की समस्या ऐतिहासिक आधार पर नहीं सुलझायी जा सकती।

सू-दोकू नवताल 2178

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

सू-दोकू -2177 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2178

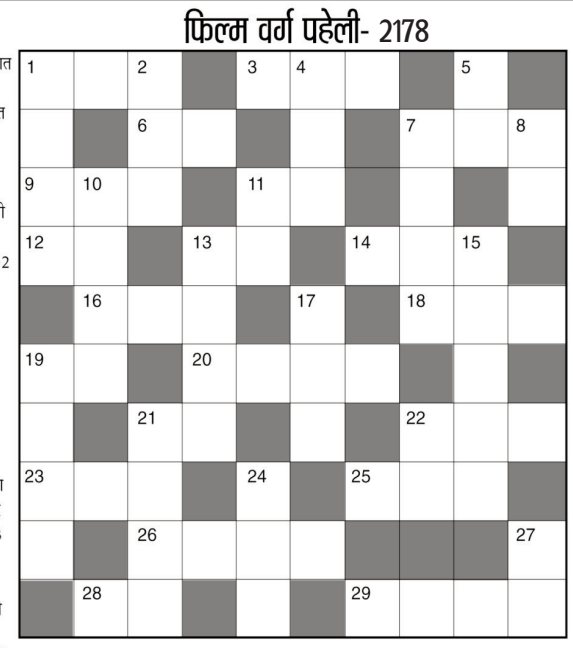

बायें से दायें:-

1. 'लागा रे जल लागा' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख खान, सुनील शेट्टी, रानी मुखर्जी, जूही चावला अभिनीत फिल्म-3
3. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की 'मेहंदी है रचने वाली' गीत वाली फिल्म-3
6. 'तू मेरे सामने' गीत वाली सनी देओल, शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2
8. संजय दत्त, पूजा भट्ट की 'तुम्हें अपना बनाने की कसम' गीत वाली फिल्म-3
9. 'आया है मुझे फिर याद वो' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
11. दिलीप कुमार, निम्मी की 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
12. 'बंद होठों से जो इक बात' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
13. नागार्जुन, अमला की 'किस मी हे यू रॉन्ग नंबर' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तुम्हारे प्यार में हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा पारेख की फिल्म-3
16. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
18. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
19. अमिताभ, शशि कपूर, राखी, परवीन, बिंदिया की 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
20. 'ये वादा करो चांद के सामने' गीत वाली प्रदीप कुमार, मधुबाला की फिल्म-4
21. अतिन भल्ला, संदली सिन्हा की 'दिल ने दिल को पुकारा' गीत वाली फिल्म-2
22. अमिताभ बच्चन, जया प्रदा की 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली फिल्म-3
23. 'छोटा बच्चा जानके हमको' गीत वाली इंद्र कुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
25. अमोल पालेकर, रंजीता की 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
26. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली समीर दत्तानी, के. के. मेनन, बिपाशा बसु, मिनीषा लांबा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-4
2. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से लड़ाई' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3
4. 'सारे शहर में आपसा कोई नहीं' गीत वाली फिल्म-3
5. 'ये जान ले ले रे' गीत वाली संजय दत्त, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की 'अभी क्या सुनोगे सुना तो हंसोगे' गीतवाली फिल्म-4
8. 'शाम भी खूब है पास महबूब है' गीत वाली सनी देओल, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
10. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूं' गीत वाली फिल्म-4
11. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना की फिल्म-2
13. जीतेंद्र, आदित्य पंचोली,जावेद जाफरी, संगीता, एकता की 'आ ये हसीन रात मोहब्बत में' गीत वाली फिल्म-4
15. आमिर खान,जूही,ममता की फिल्म 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
18. 'हमें तुम से तुम्हें हमसे शिकायत हो तो' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
19. 'हम बेवफा हर्गिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
21. 'बीड़ी जलईले' गीत वाली अजय देवगन, सैफअली, विवेक, करीना, बिपाशा की फिल्म-4
22. यह सूरैया की अंतिम फिल्म थी-2
24. 'आंखों से दिल में उतर कर' गीत वाली फराज खान, मिलिंद गुणाजी, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
28. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2177

ए	त	ग	ज		ग		स		प्या
ला		जा		ग	स्ते	का	प	त्थ	र
न	ज	ग	ना		प्या		ने		का
		नी		आ	र	जू		प्या	सा
ल	क्ष्य		क		के		दु		या
की		ध	र्मा	त्मा		मे	ला		
	जो	र			श्न	ग	ग		सू
आ	र	ती		सा		ध		स	र
नं	दा		सा	ज	औ	र	आ	वा	ज
द	र	मि	या	न		म	ह	ल	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पेक्ट्रम नीलामी छठे दिन भी जारी

नई दिल्ली . देश में 5जी स्पेक्ट्रम के आवंटन की नीलामी प्रक्रिया रविवार को लगातार छठे दिन जारी है। नीलामी के पहले पांच दिन में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों की ओर से 1,49,966 करोड़ रुपए की बोलियां लगाई जा चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी का 31वां दौर रविवार सुबह शुरू हुआ। कंपनियों के बीच उत्तर प्रदेश पूर्वी सर्किल के लिए 1800 मेगाहर्ट्ज के लिए मांग बुधवार से काफी तेज हो गई थी, जो अब सुस्त पड़ी है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि इससे पता चलता है कि नीलामी अब अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर रही है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि दिन में बोली किस तरीके से आगे बढ़ती है। शनिवार तक कुल बोलियां 1.50 लाख करोड़ रुपए के पास पहुंच गई थीं। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को दूरसंचार निवेशकों के गोलमेज के बाद कहा था कि 5जी नीलामी से पता चलता है कि उद्योग विस्तार करना चाहता है। उद्योग अब समस्याओं से बाहर आ चुका है और वृद्धि की राह पर बढ़ना चाहता है। दूरसंचार विभाग ने इस नीलामी में कुल 4.3 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 72 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की बिक्री की पेशकश की है। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के अलावा अडाणी एंटरप्राइजेज भी भाग ले रही हैं।

एचडीएफसी ने लोन पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी हाउसिंग डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉरपोरेशन (एचडीएफसी) ने लोन पर ब्याज दरों को बढ़ा दिया है। एचडीएफसी ने अपनी रिटेल प्राइम लेंडिंग रेट (आरपीएलआर) में इजाफा किया है। एचडीएफसी ने आरपीएलआर में 0.25 फीसदी का इजाफा गया है। नई दरें एक अगस्त से प्रभावी हो जाएंगी। आरपीएलआर वह दर है, जिस पर एचडीएफसी की होम लोन की दरें बेंचमार्क होती हैं। एचडीएफसी ने एक स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। ब्याज दरों में हुई इस बढ़ोतरी से एचडीएफसी से होम लोन लेने वालों पर बोझ पड़ेगा। लोगों की ईएमआई की रकम बढ़ जाएगी। एचडीएफसी ने कहा कि एचडीएफसी ने हाउसिंग लोन पर अपनी रिटेल प्राइम लेंडिंग रेट बढ़ा दी है। यह वह दर है जिस पर एडजस्टेबल रेट होम लोनः बेंचमार्क होती हैं। दर में 25 आधार अंक अर्थात 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। पहले 9 जून को देश की इस सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी ने आरपीएलआर में 50 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की थी। उससे पहले 1 जून को दर में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। 2 मई को दर में 5 आधार अंक और 9 मई को होम लोन की दरों में 0.30 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। एचडीएफसी रिटेल प्राइम लेंडिंग रेट में हुई इस ताजा वृद्धि के के चलते उधारकर्ताओं के लिए होम लोन ईएमआई की रकम बढ़ जाएगी।

जुलाई में म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 28 एनएफओ पेश किए

नई दिल्ली । संपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने जुलाई में दो दर्जन से अधिक म्यूचुअल फंड योजनाएं (एनएफओ) पेश किए। इससे पहले करीब तीन माह तक नई योजनाओं की पेशकश (एनएफओ) का बाजार ठंडा रहा था। लगभग सभी खंडों में जुलाई में नई योजनाएं लाई गई हैं। इनमें इक्विटी कोष, ऋण, इंडेक्स कोष, एक्सचेंज ट्रेडेड कोष (ईटीएफ) शामिल हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में म्यूचुअल फंड कंपनियों को उद्योग द्वारा उसके कुछ नियमों के अनुपालन तक नई योजनाएं लाने से रोक दिया था। ये नियम मध्यवर्तियों और वितरकों द्वारा निवेशकों के कोष की पूलिंग से संबंधित थे। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में 18 संपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने कुल 28 म्यूचुअल फंड योजनाएं पेश की हैं। इनमें से 24 योजनाएं अभी चल रही हैं जबकि चार बंद हो गई हैं।अभी जो एनएफओ जारी हैं उनमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ निफ्टी 200 क्वॉलिटी 30 ईटीएफ, बड़ौदा बीएनपी परिबा फ्लेक्सी कैप फंड, केनरा रोबेको बैंकिंग एंड पीएसयू डेट फंड शामिल हैं। इसके अलावा डीएसपी निफ्टी मिडकैप 150 क्वॉलिटी 50 इंडेक्स फंड, एचडीएफसी निफ्टी 100 ईटीएफ, मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई क्वॉलिटी इंडेक्स फंड, आईडीएफसी मिडकैप फंड, मिराई एसेट बैलेंस्ड एडवांटेज फंड, क्वॉन्टम निफ्टी 50 ईटीएफ फंड ऑफ फंड, यूनियन गिल्ट फंड और क्वॉन्ट लार्ज कैप फंड अभी जारी हैं। इसके अलावा करीब एक दर्जन एनएफओ अगले महीने आने की संभावना है।

आरबीआई के फैसले से कम होगी महंगाईः रघुराम राजन

रायपुर ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में महंगाई है। आरबीआई ब्याज दर बढ़ा रहा है जिससे महंगाई कम करने में मदद मिलेगी। सबसे ज्यादा महंगाई खाद्य और ईंधन में है। दुनिया में खाद्य मुद्रास्फीति कम हो रही है और भारत में भी घटेगी। यह बातें रायपुर में हाल ही में आयोजित कांग्रेस के अनुषांगिक संगठन आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के पांचवें वार्षिक सम्मेलन में रघुराम राजन ने कही। श्रीलंका में आर्थिक उथल-पुथल पर राजन ने कहा कि हमारे पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है। रिजर्व बैंक ने रिजर्व बढ़ाने में अच्छा काम किया है। हमें श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी समस्या नहीं है। हमारे विदेशी कर्ज भी कम हैं। गौरतलब है कि गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका में मुद्रास्फीति जुलाई महीने में बढ़कर 60.8 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंच गई। खाद्य उत्पादों एवं ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहने से मुद्रास्फीति बढ़ी है। श्रीलंका के सांख्यिकीय विभाग ने एक बयान में जुलाई के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि एक साल पहले की तुलना में इस महीने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 60.8 फीसदी पर पहुंच गई। एक महीना पहले जून में यह 54.6 फीसदी पर थी। श्रीलंका में जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए भी समुचित विदेश मुद्रा नहीं होने से हालात काफी खराब हो चुके हैं। विदेशी मुद्रा भंडार के अभाव में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कमी का संकट बना हुआ है।

इंडियाफर्स्ट में 12.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगा बीओबी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) अपनी बीमा इकाई इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 12.5 फीसदी हिस्सेदारी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में बिक्री पेशकश या अन्य किसी माध्यम से बेचेगा। बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद भी इस जीवन बीमा कंपनी में बैंक की शेयरधारिता 51 फीसदी से कम नहीं होगी। बीमा कंपनी में बैंक ऑफ बड़ौदा की मौजूदा हिस्सेदारी 65 फीसदी है। बैंक ने कहा कि विनिवेश प्रस्तावित निर्गम में बिक्री पेशकश के जरिए या कानून सम्मत किसी अन्य माध्यम से किया जाएगा। इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी बैंक ऑफ बड़ौदा की अनुषंगी इकाई है। बीमा कंपनी में 26 फीसदी हिस्सेदारी कारमेल पॉइंट इन्वेस्टमेंट्स इंडिया की है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नौ फीसदी हिस्सेदारी के साथ कंपनी का तीसरा रणनीतिक साझेदार है।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 1.91 लाख करोड़ बढ़ा

- 10 प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,91,622.95 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ में बजाज फाइनेंस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन 47,494.49 करोड़ रुपए बढ़कर 12,07,779.68 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 23,481.09 करोड़ रुपए बढ़कर 7,97,251.18 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का 18,219 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 6,52,012.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 14,978.42 करोड़ रुपए बढ़कर 4,31,679.65 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 12,940.69 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,71,397.99 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 12,873.62 करोड़ रुपए बढ़कर 5,69,400.43 करोड़ रुपए और रिलायंस का मूल्यांकन 3,962.45 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 16,97,208.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हालांकि जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 7,020.75 करोड़ रुपए टूटकर 4,28,739.97 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 810.61 करोड़ रुपए का नुकसान रहा और यह 6,19,551.97 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी और एलआईसी का स्थान रहा।

(तेल-तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा) वैश्विक बाजार में तेजी से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

बीते सप्ताह मलेशिया में खाने के तेलों की कीमत लगभग 100 डॉलर मजबूत हुई

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह मलेशिया बाजार में तेजी की वजह से देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तेल कीमतों में सुधार देखा गया। बाकी तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह मलेशिया में खाने के तेलों की कीमत लगभग 100 डॉलर मजबूत हुई हैं। इस बीच सरकार ने समीक्षाधीन सप्ताहांत में आयात शुल्क मूल्य में पाक्षिक कटौती की है। इस कटौती के तहत पामोलीन के आयात शुल्क में 307 रुपए प्रति क्विंटल की भारी कमी की गई है जबकि सोयाबीन डीगम में 69 रुपए प्रति क्विंटल की और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) के आयात शुल्क मूल्य में 47 रुपए प्रति क्विंटल की कमी की गई है। इस कटौती के बाद जिस सोयाबीन तेल का दाम पहले सीपीओ से लगभग 50 डॉलर अधिक हुआ करता था, वह अंतर अब बढ़कर 310 डॉलर हो गया है। वर्ष 2010 के बाद एक सप्ताह के अंदर सोयाबीन दाने के भाव पहले कभी इतनी तेजी से बढ़ते नहीं देखे गए हैं। इससे विश्व में सीपीओ और पामोलीन की मांग बढ़ेगी क्योंकि सोयाबीन की तुलना में ये काफी सस्ते होंगे। मलेशिया में सीपीओ और पामोलीन लगभग बराबर भाव पर हैं क्योंकि सीपीओ तेल पर निर्यात शुल्क लगाया जाता है जबकि पामोलीन पर निर्यात शुल्क नहीं के बराबर है। सूत्रों ने बताया कि पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 170 रुपए सुधरकर 7,290-7,340 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 600 रुपये के सुधार के साथ 14,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 90-90 रुपए सुधरकर क्रमशः 2,340-2,420 रुपये और 2,370-2,485 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 225 रुपए और 200 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 6,450-6,525 रुपए और 6,225-6,300 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार रहा। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 500 रुपए लाभ के साथ 13,600 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 450 रुपए बढ़कर 13,300 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 650 रुपए सुधरकर 12,250 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 100 रुपए बढ़कर 6,895-7,020 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 120 रुपए की मजबूती के साथ 16,120 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 20 रुपए की मजबूती के साथ 2,690-2,880 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 500 रुपए बढ़कर 11,500 रुपए क्विंटल हो गया। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 700 रुपए बढ़कर 13,450 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 750 रुपए बढ़कर 12,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा पर रहेगी निवेशकों की नजर

- निवेशक सतर्कता बरत सकते हैं, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा

मुंबई ।

अगले माह से अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में वृद्धि की रफ्तार कम करने के संकेत से हुई जोरदार लिवाली की वजह से बीते सप्ताह पौने तीन प्रतिशत की तेजी पर रहे घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की प्रस्तावित मौद्रिक नीति समीक्षा पर निवेशकों को नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1498.05 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर तीन माह के उच्चतम स्तर 57570.25 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 438.8 अंक उछलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 17158.25 अंक पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन अवधि में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। सप्ताहांत पर मिडकैप 390.53 अंक की तेजी लेकर 24050.90 अंक स्मॉलकैप 282.97 अंक मजबूत होकर 27056.38 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (ओएमसी) की पिछले सप्ताह हुई बैठक में बढती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत दरों में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। फेड के इस कदम के बाद दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी करने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में आरबीआई की अगले सप्ताह 03 से 05 अगस्त को प्रस्तावित द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में वृद्धि किए जाने की अटकलें तेज हो गई है। इसको लेकर इस सप्ताह निवेशक सतर्कता बरत सकते हैं, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। इसके साथ ही इस सप्ताह आईटीसी, आइडिया, टाटा कॉफी, भेल, बीईएमएल, एस्कॉर्ट, डाबर, गेल, इक्रा, एवेरेडी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, फाइजर और यूको बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम आने वाले हैं। शेयर बाजार की दिशा निर्धारित करने में इन कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

पहली तिमाही में फार्मा निर्यात बढ़कर 6.26 अरब डॉलर रहा

हैदराबाद ।

देश का फार्मा निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आठ प्रतिशत बढ़कर 6.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक अधिकारी ने कहा कि 2022-23 में भारत से दवाओं आदि के निर्यात में 10 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। भारतीय औषधि निर्यात संवर्द्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि स्थिति सामान्य होने के बाद यूरोपीय संघ और स्वतंत्र देशों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) देशों को निर्यात में सुधार की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से इन देशों को फार्मा निर्यात प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में हमारा निर्यात आठ प्रतिशत बढ़ा है। अमेरिका को हमारा निर्यात 3.6 प्रतिशत बढ़ा है। हमारे कुल निर्यात में अमेरिका का हिस्सा करीब 30 प्रतिशत है। उन्होने कहा कि मुझे भरोसा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद यूरोपीय संघ और सीआईएस देशों को हमारा निर्यात बढ़ेगा। चालू वित्त वर्ष में हमारा फार्मा निर्यात करीब 27 अरब डॉलर रहेगा। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में देश का फार्मा निर्यात 24.61 अरब डॉलर रहा था, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है।

एक अगस्त से कई नियमों में हो जाएगा बदलाव, आपकी जेब पर होगा असर

मुंबई ।

हर महीने की तरह इस बार भी 1 अगस्त से कई अहम बदलाव होने जा रहे हैं, जो आपकी जेब पर सीधे असर डालेंगे। इन बदलावों में गैस की कीमत, बैंकिग सिस्टम, आईटीआर, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना में होनेवाला अपडेट शामिल है।

1 अगस्त से जो बदलाव होंगे वह इस प्रकार हैं:

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने बदला चेक से पेमेंट का नियम: 1 अगस्त से बैंक ऑफ बड़ौदा में चेक द्वारा भुगतान करने के नियम बदल जाएंगे। आरबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा को गाइडलाइन जारी की थी। जिसके अनुसार 5 लाख रुपए या इससे अधिक के अमाउंट वाले चेक के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम लागू कर दिया गया है। इसके तहत बैंक को चेक से जुड़ी जानकारी एसएमएस, नेट बैंकिंग या मोबाइल ऐप से देनी होती है।

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव: 1 अगस्त से सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां गैस सिलेंडर की कीमत तय करती हैं। संभव है कि इस बार भी रसोई गैस की कीमतों में इजाफा देखने को मिले। हालांकि, इस बारे में अभी कुछ स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता है।

इसका फैसला एक अगस्त को ही होगा कि रसोई गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ेंगे या उनकी कीमतों में कमी आएगी।

1 अगस्त से भरना होगा जुर्माना: आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करने पर लेट फीस देनी होगी। अगर आयकरदाता की कर योग्य आय 5 लाख रुपए तक या इससे कम है तो उसे 1 हजार रुपए लेट फीस के रूप में चुकाने होंगे। अगर टैक्सपेयर की टैक्सेबल आय 5 लाख रुपए से ज्यादा है तो उसे 5 हजार रुपए लेट फीस देनी होगी।

पीएम किसान के लिए केवायसी का बदलेगा नियम: पीएम किसान सम्मान निधि योजना की केवाईसी के लिए भी 31 जुलाई का समय दिया गया है। 1 अगस्त से किसान केवाईसी नहीं कर सकेंगे। किसान अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर भी अपनी ई-केवायसी करवा सकते हैं। इसके अलावा घर बैठे ऑनलाइन पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं। बता दें कि, किसानों की सहूलियत के लिए केंद्र सरकार ने ई-केवाईसी की आखिरी तारीख को आगे बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है। इससे पहले ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 31 मई थी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए कराना होगा रजिस्ट्रेशन: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। उसके बाद रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। यह रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन या ऑफलाइन किया जा सकता है।

एफपीआई ने जुलाई में किया 4,989 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

लगातार नौ माह तक बिकवाली करने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने जुलाई में शेयर बाजारों में करीब 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डॉलर इंडेक्स के नरम पड़ने और कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद एफपीआई एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। इससे पहले जून में एफपीआई ने शेयरों से 50,145 करोड़ रुपए निकाले थे। यह मार्च, 2020 के बाद किसी एक माह में सबसे अधिक निकासी है।

उस समय एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से 61,973 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अगस्त में भी एफपीआई का प्रवाह सकारात्मक बना रहेगा। इसकी वजह यह है कि रुपए का सबसे खराब समय अब बीत चुका है और कच्चे तेल के दाम भी एक दायरे में कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा भारतीय कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बेहतर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 4,989 करोड़ रुपए का निवेश किया। माह के दौरान नौ दिन वे शुद्ध लिवाल रहे। इससे पहले पिछले लगातार नौ माह से एफपीआई बिकवाल बने हुए थे। पिछले साल अक्टूबर से इस साल जून तक वे भारतीय शेयर बाजारों से 2.46 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। हालांकि जुलाई में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 2,056 करोड़ रुपए की निकासी की है। आगे एफपीआई का रुख क्या रहेगा, इसको अनुमान लगाने में अभी कुछ समय लगेगा।

जुलाई में म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 28 एनएफओ पेश किए

नई दिल्ली ।

संपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने जुलाई में दो दर्जन से अधिक म्यूचुअल फंड योजनाएं (एनएफओ) पेश किए। इससे पहले करीब तीन माह तक नई योजनाओं की पेशकश (एनएफओ) का बाजार ठंडा रहा था। लगभग सभी खंडों में जुलाई में नई योजनाएं लाई गई हैं। इनमें इक्विटी कोष, ऋण, इंडेक्स कोष, एक्सचेंज ट्रेडेड कोष (ईटीएफ) शामिल हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में म्यूचुअल फंड कंपनियों को उद्योग द्वारा उसके कुछ नियमों के अनुपालन तक नई योजनाएं लाने से रोक दिया था। ये नियम मध्यवर्तियों और वितरकों द्वारा निवेशकों के कोष की पूलिंग से संबंधित थे। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में 18 संपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने कुल 28 म्यूचुअल फंड योजनाएं पेश की हैं। इनमें से 24 योजनाएं अभी चल रही हैं जबकि चार बंद हो गई हैं।अभी जो एनएफओ जारी हैं उनमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ निफ्टी 200 क्वॉलिटी 30 ईटीएफ, बड़ौदा बीएनपी परिबा फ्लेक्सी कैप फंड, केनरा रोबेको बैंकिंग एंड पीएसयू डेट फंड शामिल हैं। इसके अलावा डीएसपी निफ्टी मिडकैप 150 क्वॉलिटी 50 इंडेक्स फंड, एचडीएफसी निफ्टी 100 ईटीएफ, मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई क्वॉलिटी इंडेक्स फंड, आईडीएफसी मिडकैप फंड, मिराई एसेट बैलेंस्ड एडवांटेज फंड, क्वॉन्टम निफ्टी 50 ईटीएफ फंड ऑफ फंड, यूनियन गिल्ट फंड और क्वॉन्ट लार्ज कैप फंड अभी जारी हैं। इसके अलावा करीब एक दर्जन एनएफओ अगले महीने आने की संभावना है।

आईओसी को पेट्रोल पर प्रति लीटर 10 और डीजल पर 14 रुपए का घाटा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी तेल शोधन और ईंधन की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पेट्रोल पर 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल की बिक्री पर प्रति लीटर 14 रुपए का नुकसान हुआ है। यही वजह है कि कंपनी को सवा दो साल में पहली बार किसी तिमाही में नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 1,992.53 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 5,941.37 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

वहीं इससे पिछली जनवरी-मार्च की तिमाही में कंपनी को 6,021.9 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। आईओसी की सालाना आधार पर कर, ब्याज, मूल्यह्रास और परिशोधन से पूर्व एकल आय (ईबीआईटीडीए) 88 प्रतिशत घटकर 1,358.9 करोड़ रुपए रह गई।

वहीं कंपनी को 1,992.5 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ। हालांकि तिमाही के दौरान कंपनी का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) 31.8 डॉलर प्रति बैरल रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की आय में गिरावट की प्रमुख वजह पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री पर मार्जिन में भारी गिरावट है। कंपनी को पेट्रोल पर प्रति लीटर 10 रुपए और डीजल पर 14 रुपए का नुकसान हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र सरकार संकेत को 30 लाख रूपये का पुरस्कार देगी

मुंबई ।

महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता भारोत्तोलक संकेत सरगर को 30 लाख रूपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संकेत को बधाई देते हुए यह पुरस्कार देने की बात कही है। राज्य के सांगली जिले के 21 साल संकेत ने पुरूषों के 55 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार संकेत को 30 लाख रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं उसके ट्रेनर को सात लाख रूपये दिये जाएंगे। संकेत ने आर्थिक दिक्कतों के साथ ही बेहद कम संसाधन होने के बाद भी जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसकी सभी ने प्रशंसा की है।

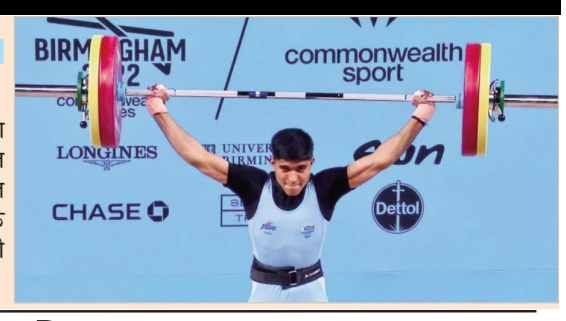

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

रात आठ बजे शुरू होगा मैच

बासेटेरे । भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में वेस्टइंडीज पर जीत के इरादे से उतरेगी। पहले टी20 मैच में जीत से भारतीय टीम उत्साहित है और सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ही यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि शुरुआती मैच में टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही में हावी रही। वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टी20 मैच में दोनों देशों के बीच खेल के हर विभाग में बड़ा अंतर दर्ज किया गया। भारतीय टीम के पास कप्तान रोहित शर्मा के अलावा ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी में टीम के पास सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और दीपक हुड्डा जैसे खिलाड़ी हैं। पिछले मैच में सूर्यकुमार ने पारी की शुरुआत की थी।

गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुरुआती टी20 अंतरराष्ट्रीय में बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेगी। पंजाब के इस 23 साल के गेंदबाज ने अपने चार ओवर के स्पैल में कहीं भी ढिलाई नहीं बरती। अर्शदीप ने पहले मैच में मेजबान टीम को खेलने का अवसर नहीं देते हुए शुरुआती ओवरों में शॉर्ट गेंद और यॉर्कर का प्रयोग किया था।

पिछले मैच में रोहित शर्मा ने 44 गेंद में 64 रन बनाये थे पर भारतीय मध्यक्रम विफल रहा था हालांकि अंतिम ओवरों में दिनेश कार्तिक ने मैच विजेता पारी खेली। अब दूसरे मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को रन बनाने पर ध्यान देना होगा ताकि निचले क्रम पर दबाव न आये। गेंदबाजी की बात करें तो अश्विन और बिश्नोई ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम पर अंकुश लगा दिया। इस मैच में जडेजा, अश्विन और बिश्नोई की जगह पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किये जाने की कम ही संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह।

वेस्टइंडीज : निकोलस पूरन (कप्तान), शामराह ब्रूक्स, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, कीसी कार्टी, काइल मायर्स, जेसन होल्डर, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, शाई होप, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, जेडन सील्स।

जिरेमी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में जीता स्वर्ण

बर्मिंघम ।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत के जिरेमी लालरिंनुगा ने 67 किलो भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। जिरेमी ने कुल 300 किलो वजन उठाकर यह पदक जीता। जेरेमी ने स्नैच में रिकॉर्ड 140 किलो का वजन उठाया जबकि क्लीन एंड जर्क में वह 160 किलो भार उठाने में सफल रहे। इस प्रकार उन्होंने कुल 300 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। जेरेमी ने पिछले साल आयोजित राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में पुरुषों की 67 किलो भारवर्ग में स्वर्ण मेडल जीतकर राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए क्वालिफाई किया था। जिरेमी के इस स्वर्ण के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को दूसरा स्वर्ण मिला है। इससे पहले महिला वर्ग में मीराबाई चानू ने 49 किलो भारवर्ग में स्वर्ण जीता था।

राष्ट्रमंडल खेल : तैराक श्रीहरि ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया

बर्मिंघम ।

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की तैराकी स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। श्रीहरि ने यहां 25.52 सेकेंड का समय निकालकर 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। वह अपनी हीट में दूसरे और कुल आठवें स्थान पर रहे। पुरूषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 24.40 सेकेंड का रहा है जो उन्होंने पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुई 15वीं फिना विश्व तैराकी चैम्पियनशिप के दौरान बनाया था। नटराज 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहे थे। वहीं पुरूषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में साजन प्रकाश 1:58.99 सेकेंड समय के साथ ही चौथे स्थान पर रहे और उन्हें रिजर्व सूची में रखा गया।

राष्ट्रमंडल खेल : भारत की बिंद्यारानी ने भारोत्तोलन में रजत जीता

बर्मिंघम ।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की बिंद्यारानी देवी ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीता है। बिंद्यारानी ने महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग में क्लीन एंड जर्क में 116 किग्रा के साथ ही कुल 202 किग्रा वजन उठाया। इसी के साथ भारत को चौथा पदक मिला है। बिंद्यारानी ने इसी के साथ ही इंग्लैंड की फ्रायर मोरो (198) को पीछे छोड़ा। नाइजीरिया की आदिजात एडेनिक डलरिंडे ने कुल (203 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण अपने नाम किया। स्नैच वर्ग में 86 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ही बिंद्यारानी ने नाइजीरियाई (92 किग्रा) और इंग्लैंड की खिलाड़ी (88 किग्रा) को पीछे छोड़ते हुए क्लीन एंड जर्क में अच्छा प्रयास किया। भारतीय खिलाड़ी ने अपने पहले ही प्रयास में 110 किग्रा के साथ क्लीन एंड जर्क की शुरुआत की। वहीं नाइजीरियाई इसमें विफल रही। डलरिंडे ने अपने दूसरे प्रयास में 110 किग्रा भार उठाया और फिर अपने कुल में एक किग्रा और जोड़ा जबकि बिंद्यारानी देवी 114 किग्रा भार नहीं उठा पायी। इसने वह तीसरे स्थान पर फिसल गयी और इंग्लैंड की मोरो 109 किग्रा के कुल के साथ 198 किग्रा तक पहुंच गई। इसके बाद अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में बिंद्यारानी ने वापसी करते हुए क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम भार उठाया और 202 किलोग्राम तक पहुंचते हुए रजत पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों में बिंद्यारानी का यह पहला पदक है। इससे पहले दूसरे दिन मीराबाई चानू सहित तीन खिलाड़ियों ने पदक जीते थे।

संक्षिप्त समाचार

निकहत राष्ट्रमंडल खेलों के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम । भारत की महिला मुक्केबाज निकहत जरीन ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। निकहत ने मोजांबिक की हेलेना इस्माइल बागाओ को लाइटवेट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में पराजित किया। जरीन ने शुरूआत से ही आक्रामक प्रहार शुरु कर दिये और विरोधी को संभलने का अवसर ही नहीं दिया। इस भारतीय मुक्केबाज ने अपने बायें और दायें मुक्कों के संयोजन का बखूबी इस्तेमाल कर विरोधी मुक्केबाज को हराया। अंतिम राउंड में जरीन ने हेलेना के मुंह पर प्रहार किय जिससे वह संभल नहीं पायी। इस कारण रैफरी ने 48 सेकेंड पहले ही मुकाबला रोक दिया। जरीन का मुकाबला अब क्वार्टरफाइनल में न्यूजीलैंड की ट्राय गार्टन से होगा।

विराट लय हासिल करने एकदिवसीय क्रिकेट खेलें : पार्थिव

नई दिल्ली । पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने पार्थिव कहना है कि विराट को फॉर्म में वापस आने के लिए एकदिवसीय क्रिकेट भी खेलना चाहिए, ताकि वहां पर वो शॉट भी लगा सकें और उनके पास वक्त भी रहे। पार्थिव बोले कि शिखर धवन और शुभमन गिल भी इसी तरह फॉर्म में वापस लौटे हैं, विराट तो लीजेंड हैं वह आसनी से पुरानी लय हासिल कर लेंगे। वहीं भारत में सलामी जोड़ी पर प्रयोग पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि विराट को किसी भी प्रकार टीम में अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लिए भारतीय टीम जोड़ीदार बदल रही है। भारतीय टीम ने हाल मेंकई खिलाड़ियों को सलामी जोड़ीदार के तौर पर आजमाया है। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ खेले गए पहले टी-20 मैच में कप्तान रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव पारी की शुरुआत के लिए आये तो हर कोई हैरान रह गया. क्योंकि उनसे पहले ऋषभ पंत भी रोहित के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। पार्थिव के अनुसार उन्हें लगता है टीम इंडिया इतने बदलाव इसलिए कर रही है, क्योंकि वह किसी भी तरह विराट कोहली को अंतिम ग्यारह में चाहती है। में फिट देखना चाहते हैं। विराट इस टी-20 सीरीज़ में नहीं खेल रहे हैं। विराट पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी-20 और वनडे सीरीज में खेले थे लेकिन बुरी तरह नाकाम रहे थे। उसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई टी-20 और वनडे सीरीज में विराट ने हिस्सा नहीं लिया।

राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय बैडमिंटन टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

बर्मिंघम ।

भारतीय बैडमिंटन टीम ने यहां हो रहे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मिश्रित टीम प्रतियोगिता के अंतिम ग्रुप ए मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम अपने ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने इससे पहले पाक और श्रीलंका को 5-0 से हराया था।

पुरुष एकल में सबसे पहले भारत के शीर्ष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलिया के लिन जियांग यिंग को 21-14 21-13 से हराया। इसके बाद महिला एकल में पीवी सिंधु ने चेन वेंडी हुआन-यू को 21-10 21-12 से हराकर भारत की बढ़त को बढ़ाकर 2-0 पहुंचा दिया।

दूसरी ओर पुरुष युगल मुकाबले में सुमित और चिराग की जोड़ी ने ट्रैन होआंग फाम एवं जैक यू की जोड़ी को 21-16 21-19 से हराकर भारतीय टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। भारतीय टीम को पर महिला युगल मुकाबले में हार गयी। युगल में त्रिशा जॉली एवं गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को लोसिंग तो चेन हसुआ यु एवं ग्रोनए सोमरविल्ले की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने 13-21, 19-21 से हराया। अगर मिश्रित युगल की बात करें तो बी सुमित रेड्डी एवं अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने यिंग जियांग लिन एवं ग्रोनए सोमरविले को 21-14, 21-11 से हरा कर भारत को 4-1 से जीत दिला दी।

धवन की कप्तानी में जिम्बाब्वे जाएगी भारतीय टीम, विराट शामिल नहीं

नई दिल्ली । शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए जिम्बाब्वे जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 18-22 अगस्त तक होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस सीरीज के लिए नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। इस दौरे विराट और रोहित के अलावा लोकेश राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह को भी आराम दिया गया है। विराट लंबे सेमय से फार्म में नहीं हैं। हाल के इंग्लैंड दौरे के लिए भी वह असफल रहे थे। माना जा रहा है कि विराट अब अगले महीने होने वाले एशिया कप से वापसी कर सकते हैं और इसके संकेत उन्होंने चयनकर्ताओं को दे दिये हैं। अनुभवी खिलाड़ियों को आगे के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इस दौरे के लिए आराम दिया गया है क्योंकि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप भी है। टीम में वापसी करने वाले खिलाड़ियों में ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर और दीपक चाहर हैं। सुंदर ने लंकाशायर के लिए इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेला है जबकि तेज गेंदाज दीपक चाहर ने एनसीए में अभ्यास करने के साथ ही प्रशिक्षण भी लिया है।

राष्ट्रमंडल खेल : टेबल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम मलेशिया से हारी

बर्मिंघम । भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम मलेशिया से मिली हार के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गयी है। मनिका बत्रा की अगुवाई में उतरी भारतीय टीम को यहां मलेशिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 2-3 से हार झेलनी पड़ी है। भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मनिका ने एक एकल मैच जीता जबकि दूसरे में उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं रीथ टेनिसन और श्रीजा अकुला की महिला युगल जोड़ी को पहले मैच में 1-3 (7-11, 6-11, 11-5, 6-11) से हार झेलनी पड़ी। इस कारण शुरुआत में ही भारतीय टीम पर दबाव पड़ा गया। मनिका ने किस प्रकार एकल मुकाबले में यिंग हो को 3-2 (11-8, 11-5, 8-11, 9-11, 11-3) से हराकर भारत को बराबरी पर ल दिया। वहीं भारत की ही अकुला ने दूसरे एकल में ली सियान एलिस चैंग को 3-0 (11-6,11-6,11-9) से हराकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। मनिका को इसके बाद केरेन लाइन ने 0-3 (6-11, 3-11, 9-11) से हरा दिया। इससे मलेशियाई टीम बराबरी पर आ गयी। इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी यिंग हो ने टेनिसन को 3-2 (10-12, 11-8, 6-11, 11-9, 11-9) से हराकर भारतीय टीम की उम्मीदें तोड़ दीं। वहीं इससे पहले भारतीय पुरुष और महिला टेटे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ग्रुप दो के मैच में गयाना को 3-0 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। वहीं पुरुष टीम ने ग्रुप तीन के मुकाबले में उत्तरी आयरलैंड को इसी अंतर से पराजित किया।

लीजेंड्स लीग के एक मैच में खेलते नजर आयेंगे गांगुली

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली अब लीजेंड्स लीग क्रिकेट में एक विशेष क्रिकेट मैच खेलते नजर आएंगे। इसकी घोषणा स्वयं गांगुली ने की है। गांगुली ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा करते हुए पुष्टि की कि वह लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीजन 2 में एक विशेष मैच खेलेंगे। हाल ही में लीग ने घोषणा की थी कि आगामी सीजन की मेजबानी भारत में की जाएगी। इस प्रकार भारतीय प्रशंसक सौरव गांगुली इस चैरिटी मैच एक बार फिर से खेलते हुए देख पाएंगे। गांगुली ने इस मैच के लिए तैयारी भी शुरू कर दी है और वे जिम में पसीना बहाते हुए नजर आएंगे। जिम की अपनी तस्वीरें भी गांगुली ने पोस्ट की हैं और उन्होंने इस पोस्ट में अपने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलने की पुष्टि की है और बताया है कि वे इसमें क्यों भाग लेने जा रहे हैं। गांगुली ने लिखा, आजादी के अमृत महोत्सव पर वह राशि एकत्र करने के लिए चैरिटी मैच के लिए तैयार होने ट्रेनिंग कर रहे हैं। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष और लीजेंड्स लीग क्रिकेट के शीर्ष दिग्गजों के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए लीजेंड्स लीग क्रिकेट में जल्द ही कुछ क्रिकेट गेंदों को खेलना है। वहीं लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक और सीईओ रमन रहेजा ने कहा, हम गांगुली को अन्य दिग्गजों के साथ मैच खेलने के लिए धन्यवाद देते हैं। एक लीजेंड, हमेशा एक लीजेंड होता है, दादा हमेशा क्रिकेट के लिए तैयार रहते हैं। वह एक विशेष चैरिटी मैच खेलेंगे, जो हमारे दर्शकों के लिए एक शानदार दृश्य होने वाला है। हम कुछ प्रतिष्ठित दादा शॉट्स देखने की उम्मीद करते हैं।

लिसेस्टर में लीवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच हुए मुकाबले के बाद अवार्ड समारोह में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• आदिनाथ शिव

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र-शस्त्र

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं।

वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त :** ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान :** शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र :** दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं हौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू हौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार :** सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक :** भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

हर हर महादेव

• शिव महिमा

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

• शिवलिंग

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

कनाडा के वैंकूवर में कार में बैठे अधिकारी पर हमले के बाद मुठभेड़, हमलावर घायल

वैंकूवर। कनाडा में वैंकूवर के हेस्टिंग्स स्ट्रीट टेंट सिटी के पास एक अधिकारी पर कथित रूप से हथियार से हमला किए जाने के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को गोली मार दी और घायल कर दिया। घटना सुबह वैंकूवर के डाउनटाउन ईस्टसाइड में हुई जिसकी पुलिस ने पुष्टि की है। पुलिस की प्रवक्ता तानिया विर्सिंटिन ने कहा कि दो अधिकारी सुबह करीब आठ बजे ईस्ट हेस्टिंग्स और कोलंबिया स्ट्रीट के पास अपनी गश्ती कार में बैठे थे, जब एक हथियार लेकर एक व्यक्ति पुलिस कार के पास पहुंचा और कथित तौर पर एक खुली खिड़की से एक अधिकारी पर हमला कर दिया । विर्सिंटिन के अनुसार उस व्यक्ति का पीछा किया गया और वीपीडी अधिकारी ने गोलियां चलाईं। अधिकारी के सिर में गंभीर चोट आई और उसे इलाज के लिएअस्पताल ले जाया गया। मुठभेड़ में 53 वर्षीय संदिग्ध घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, औरल अधिकारी पर हमला करने के आरोप में उसे हिरासत में ले लिया गया । विर्सिंटिन ने कहा कि एक दूसरे वीपीडी अधिकारी पर बाद में एक राहगीर ने पर उस समय हमला किया, जब वह पुलिस की गोलीबारी के बाद सहायता के लिए पहुंचा।

अमेरिका के जंगलों में लगी आग, रिहायशी इलाके करवाए गए खाली

वाशिंगटन: अमेरिका के पश्चिमी मोंटाना में रात करीब 2,000 एकड़ क्षेत्र में जंगलों में आग फैल गई जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली करा लिया गया और सड़कों को बंद कर दिया गया। मोंटाना

राइट नाउ नामक मीडिया संस्थान के मुताबिक, फ्लैटहेड झील के पास एलमो शहर के जंगलों में आग लग गई। सीएसकेटी के अग्निशमन अधिकारी सी.टी. कैमल ने बताया कि एलमो के पास करीब तीन दर्जन घरों को खाली कराया जा रहा है। मोंटाना परिवहन विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आग के कारण हॉट स्प्रिंग्स और एलमो के बीच राजमार्ग-28 को बंद कर दिया गया। एनबीसी मोंटाना ने बताया कि आग तेजी से जंगल में फैल रही है और इसे बुझाने के लिए हवाई टैंकर तथा हेलीकॉप्टर के जरिए पानी की बौछार की जा रही है।

पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने आईएमएफ ऋण जारी कराने के लिए अमेरिका से मदद मांगी

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अपने देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.7 अरब डॉलर की अहम किश्त जल्द से जल्द जारी कराने के लिए अमेरिका से मदद मांगी है। कई सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जनरल कमर जावेद बाजवा ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन के साथ इस मामले पर चर्चा की और अमेरिका से पाकिस्तान की मदद के लिए आईएमएफ में अपने प्रभाव का उपयोग करने की अपील की। सेना प्रमुख द्वारा इस तरह की अपील किया जाना दुर्लभ है। मुख्य रूप से अफगानिस्तान के मुद्दे के कारण अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में हालिया वर्षों में तनाव पैदा हो गया है। विशेष रूप से पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे। इमरान खान को अप्रैल में संसद में अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से बाहर कर दिया गया था। बहरहाल, पाकिस्तान की सेना, जिसने अपने 75 साल के इतिहास के आधे से अधिक समय तक देश पर सीधे शासन किया है, ने अमेरिका के साथ मिलकर काम किया है और अल-कायदा के खिलाफ आतंकवाद से युद्ध में वह एक आधिकारिक सहयोगी थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि बाजवा और शरमन ने बात की थी। मंत्रालय के प्रवक्ता आसिम इफ्तिखार ने कहा, ''बातचीत हो चुकी है, लेकिन इस स्तर पर मुझे यह स्पष्ट जानकारी नहीं है कि इस दौरान क्या बात हुई।'' अधिकारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा कि चर्चा आईएमएफ ऋण पर केंद्रित थी। पाकिस्तान और आईएमएफ ने मूल रूप से 2019 में बेलआउट समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन 1.7 अरब डॉलर की किश्त पर इस साल की शुरुआत से रोक लगी है। दरअसल आईएमएफ ने खान के शासन में समझौते की शर्तों के अनुपालन को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

धरती पर गिरा चीन के रॉकेट का मलबा

आसमान में तेज रोशनी दिखी, सोशल मीडिया पर लोग बोले- ये उल्कापिंड की बारिश जैसा है

वाशिंगटन। चीन का लॉन्ग मार्च 5 बी रॉकेट पृथ्वी से टकरा गया। रॉकेट पृथ्वी के एटमॉस्फियर में एंटर करते ही जल गया। लेकिन 30-31 जुलाई की दरमियानी रात रॉकेट के कुछ टुकड़े धरती पर गिरे। 25 टन का ये रॉकेट 24 जुलाई को चीन के अधूरे तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को पूरा करने के लिए एक मॉड्यूल लेकर निकला था। इसके लॉन्च होने के बाद से वैज्ञानिकों को चिंता थी कि ये रॉकेट अंतरिक्ष से धरती पर गिर सकता है।

यूएस डिफेंस डिपार्टमेंट ऑफिशियल्स ने कहा- पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना लॉन्ग मार्च 5B (CZ-5B) पृथ्वी के एटमॉस्फियर में रि-एंटर हुआ। इसका मलबा इंडियन ओशन के पास गिरा।

सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा

सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा थी। जैसे ही रॉकेट का मलबा गिरते हुए दिखा, लोगों ने इसके वीडियो बनाए और शेयर किए। यूजर्स ने इसे बिलकुल मीटियोर शावर (उल्कापिंड की बारिश) जैसा बताया। लोगों ने कहा कि आसमान में तेज रोशनी दिखाई दी। आकाश पूरी तरह से रेड, ब्लू और येलो लाइट्स से भर गया था। एक यूजर ने लिखा- ऐसा लग रहा था कि ब्लैक कैनवस को किसी ने रंगों से भर दिया हो। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- ये तो ये तो मीटियोर शावर है।

मलबा गिरने से कोई खतरा नहीं

चीन की स्पेस एजेंसी ने बताया कि लॉन्ग मार्च 5 रॉकेट के ज्यादातर हिस्से एटमॉस्फियर (वायुमंडल) में ही जल गए। चीनी सरकार ने कहा था कि रॉकेट के धरती पर लौटने से किसी को कोई भी खतरा नहीं होगा क्योंकि इसके समुद्र में गिरने की संभावना ज्यादा है।

रॉकेट के मलबे से कितना खतरा

द एयरोस्पेस कॉरपोरेशन के मुताबिक, जो मलबा पृथ्वी के एटमॉस्फियर में नहीं जलता वो आबादी वाले इलाकों में गिर सकता है। लेकिन, इस मलबे से किसी को नुकसान पहुंचाने की संभावना बहुत ही कम होती है।

अमेरिका के ऑर्बिटल डॉबरीज मिटिगेशन स्टैंडर्ड प्रैक्टिसेज की 2019 में जारी हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक, किसी रॉकेट के अनियंत्रित होकर धरती में फिर से प्रवेश करने पर किसी के हताहत होने की संभावना 10,000 में एक है।

एससीओ मीटिंग में बॉलीवुड सॉन्ग:उज्बेकिस्तान के बैंड ने दी परफॉर्मेंस, विदेश मंत्री जयशंकर ने शेयर किया 45 सेकेंड का वीडियो

ताशकंद। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के विदेश मंत्रियों की मीटिंग हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए। उन्होंने बैठक के समापन समारोह का एक वीडियो शेयर किया है।

45 सेकेंड लंबे इस वीडियो में उज्बेकिस्तान के कलाकार बॉलिवुड का गाना गा रहे हैं। उज्बेकिस्तान के इस बैंड ने राजकपूर की फिल्म 'संगम' का लोकप्रिय गाना 'बोल राधा बोल संगम होगा कि नहीं', गाया। वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है।

किसी तरह का आतंकवाद बर्दाश्त नहीं- बैठक में चीनी

विदेश मंत्री वांग यी, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की मौजूदगी में जयशंकर ने कहा- हमें आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं है। ये नीति सभी की होनी चाहिए।

सितंबर होगा SCO शिखर सम्मेलन

SCO के लिए सितंबर बेहद अहम होने जा रहा है। सभी 8 देशों के राष्ट्रप्रमुख उज्बेकिस्तान के समरकंद में जुटेंगे। 15 और 16 सितंबर तक यह सम्मेलन चलेगा। इस मीटिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भी हिस्सा ले सकते हैं।

पाकिस्तान के कई जर्नलिस्ट्स दावा कर रहे हैं कि बैकडोर डिप्लोमैसी और अमेरिकी दखल के चलते इस मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी और शाहबाज शरीफ की मुलाकात हो सकती है। हालांकि, तस्वीर का दूसरा पहलू ये है कि पाकिस्तान में भारी सियासी उथलपुथल के बीच शरीफ की कुर्सी किसी भी वक्त जा सकती है।

नेपाल- भूकंप के तेज झटकों से कांपा काठमांडू, बिहार के कई जिलों में भी दिखा असर

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यहां 5.5 तीव्रता का भूकंप आया है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि रविवार सुबह करीब 7:58 मिनट पर झटके महसूस किए गए। भूकंप इतना तेज था कि बिहार के कई जिलों

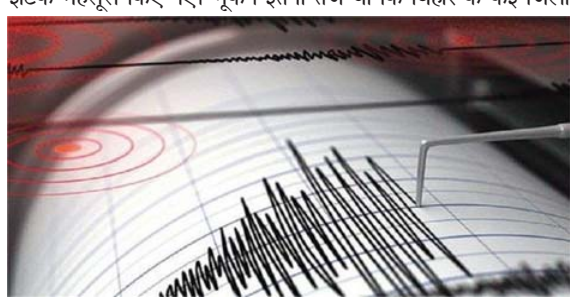

में भी इसका असर देखने को मिला है। बिहार के लोगों का कहना है कि उन्हें भी भूकंप के झटके महसूस हुए। सुबह-सुबह भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। कई लोत तो अपने घरों से बाहर निकल सड़क पर आ गए। अभी तक भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। नेपाल से सटे मधुबनी, समस्तीपुर, अररिया, कटिहार, सीतामढ़ी में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए।

बढ़ती आस्था: अमेरिका में तेजी से बढ़ रहे मंदिर, 2006 में 53 थे, अब 750 हो गए; 5 साल में ही 200फीसदी बढ़े

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतवंशियों की बढ़ती आबादी के साथ वहां मंदिरों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। लॉस एंजिल्स से न्यूयॉर्क तक घंटियों की गूंज और भजन चिर-परिचित स्वर बनते जा रहे हैं। भारत के हर भाषाई और क्षेत्रीय हिंदू समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले मंदिर पूरे अमेरिका में मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

कॉफी टेबल बुक 'अमेरिका में भारत रेखा' के मुताबिक, 2006 में 53 मंदिर थे। वर्ष 2017 में संख्या बढ़कर 250 हो गई। 2022 में मंदिर बढ़कर 750 हो गए। सबसे ज्यादा संख्या इन्हीं 5 सालों में बढ़ी। इस दौरान 200त्न मंदिर बढ़े।

भारत से लोगों का भावनात्मक संबंध

अमेरिका में भारतीय लोग भारत से अपने भावनात्मक संबंधों को महसूस करते हैं। मंदिरों की बढ़ती संख्या संकेत देती है कि 10 लाख से अधिक भारतीयों ने अमेरिका को अपना

घर बना लिया है। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व प्रसिद्ध भाषण देने के बाद 1980 में न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में वेदांत सोसायटी की स्थापना की थी। वेदांत सोसायटी ने ही अमेरिका का पहला मंदिर सैन फ्रांसिस्को में 1905 में बनवाया।

भारत प्रेम जीवित रखने का एक तरीका यह भी

अमेरिका का ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां आधा दर्जन मंदिर न हों। बढ़ते मंदिर हिंदुओं को उनके देश और संस्कृति से जोड़ रहे हैं। इंजीनियर केटी लक्ष्मी कहती हैं, यहां आकर लोग अधिक धार्मिक हो जाते हैं। यह भारत से हमारा लगाव जीवित रखने का तरीका है।

ठीक होने के महज तीन दिन बाइडेन फिर मकोविड से संक्रमित

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। महज तीन दिन पहले ही कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने के बाद उनका पृथक-वास समाप्त हुआ था। व्हाइट हाउस ने कहा है कि एंटी वायरल दवा से इलाज के बाद बाइडेन में संक्रमण का फिर से उभरना एक दुर्लभ मामला है। व्हाइट हाउस के चिकित्सक डॉ. केविन ओ 'कोनोर ने एक पत्र में कहा कि बाइडेन में ''इस बार कोई भी लक्षण नहीं उभरे हैं और वह अच्छा महसूस कर रहे हैं।' रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बाइडेन एक बार फिर कम से कम पांच दिनों के लिए पृथक-वास में रहेंगे।

संक्रमण मुक्त होने तक वह व्हाइट हाउस में ही रहेंगे। एजेंसी ने कहा कि संक्रमण के फिर से उभरने के ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के रहते हैं और इस दौरान मरीजों के गंभीर रूप से बीमार पड़ने का कोई मामला सामने नहीं आया है। बाइडेन (79) के एक बार फिर संक्रमित पाए जाने की घोषणा से महज दो घंटे पहले व्हाइट हाउस ने आगामी

मंगलवार को उनके मिशिगन दौरे की जानकारी दी थी जिसमें वह घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी विधेयक को पारित किए जाने को रेखांकित करने वाले थे। बाइडेन रविवार को अपने गृह नगर वेलिंगटन भी जाने वाले थे जहां प्रथम महिला जिल बाइडन मौजूद हैं। लेकिन अब बाइडन के संक्रमित होने के कारण ये दोनों यात्राएं रद्द कर दी गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बीते मंगलवार और बुधवार को हुई जांच में संक्रमित नहीं पाए गए थे। इसके बाद उनका पृथक-वास समाप्त हो गया था। व्हाइट हाउस के कोविड-19 के समन्वयक डॉ. आशीष झा ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा,'' आंकड़ों से पता चलता है कि पैक्सलोविड उपचार के बाद पांच से आठ प्रतिशत लोग फिर से संक्रमित हुए।

पाकिस्तान में पहले छह महीनों में सुरक्षाबलों पर 434 आतंकवादी हमलों में मारे गए 323 सैनिक

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में इस साल के पहले छह महीनों में सुरक्षाबलों पर कुल 434 हमले हुए हैं जिनमें कम से कम 323 सैनिक मारे गए हैं। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून में प्रकाशित खबर के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने संसद के ऊपरी सदन (सीनेट) में पेश रिपोर्ट में कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल के शुरुआती छह महीनों में सुरक्षाबलों पर सबसे अधिक 247 हमले हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि के दौरान बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों पर हमलों की 171 घटनाएं दर्ज की गई जबकि सिंध में 12 और पंजाब में सुरक्षाबलों पर कम से कम एक हमला हुआ। देश की राजधानी इस्लामाबद में भी साल के शुरुआती छह महीनों में तीन हमले सुरक्षाबलों पर हुए हैं। सुरक्षाबलों पर हुए हमलों की विस्तृत जानकारी देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आतंकी हमलों

में सुरक्षाबलों और अन्य संस्थानों के कम से कम 323 सैनिक मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों में सुरक्षाबलों और अन्य संगठनों के 718 सैनिक व अधिकारी घायल हुए हैं। अखबार के अनुसार, पाकिस्तानी उलेमा का प्रतिनिधिमंडल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तानी वार्ताकारों के साथ चल रही शांति वार्ता में नरम रुख अपनाने के लिए मनाने में नाकाम रहा है। शेख उल इस्लाम मुफ्ती तकी उस्मानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सी-130 विमान से सोमवार को काबुल रवाना हुआ और उसके बुधवार तक वहां रहने की संभावना है।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल टीटीपी नेतृत्व को अपना रुख नरम करने के लिए मनाने की आखिरी कोशिश करेगा। हालांकि, टीटीपी के रुख में नरमी की बहुत कम संभावना दिख रही है।

उलेमा प्रतिनिधिमंडल में शामिल सूत्र ने अखबार को बताया कि टीटीपी नेतृत्व ने संयम के साथ उन्हें सुना, लेकिन उनकी मांगों को मानने से इनकार कर दिया। इस बीच, पाकिस्तान की सरकार टीटीपी से वार्ता कर शांति लाने की कोशिश कर रही है। समूह ने संघर्षविराम की भी घोषणा की है, लेकिन टीटीपी से छिटके अन्य गुट सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं।

हांगकांग में चीनी राष्ट्रपति शी के भाषण की प्रशंसा के लिए करवाए गए 60 से अधिक सैमीनार

बीजिंग। हांगकांग में बीजिंग समर्थक संगठनों ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भाषण की प्रशंसा करने के लिए जी जान लगा दी है। उन्होंने शहर की अपनी यात्रा के दौरान शी भाषण के गुणों की प्रशंसा करने के लिए 60 से अधिक सेमिनार आयोजित किए ।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिटेन से चीन को शहर के हस्तांतरण की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हांगकांग की अपनी यात्रा के दौरान अपने गुणों के संदर्भ में भाषण दिया था, जिसका अब प्रो-बीजिंग संगठनों द्वारा खूब प्रचार किया जा रहा है।

हालांकि, राजनीतिक टिप्पणीकार डेरेक यूएन ने कहा कि 2013 में शी के सत्ता संभालने के बाद से इस तरह की राजनीतिक सीख एक आदर्श बन चुकी है।उन्होंने कहा कि लेकिन इस महीने हांगकांग में

आयोजित दर्जनों सेमिनारों ने भाषण की सही व्याख्या नहीं की । शी जिनपिंग की उत्साहपूर्वक प्रशंसा करने के लिए आयोजित किए गए इन संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का विषय ÷राष्ट्रपति शी जिनपिंग के महत्वपूर्ण भाषण की भावना के बारे में सीखना, बढ़ावा देना और लागू करना है। दर्शकों में सिविल सेवक, कांसुलर स्टाफ से लेकर किंडरगार्टन के छात्रों को शामिल किया गया। सरकारी प्रेस बयानों में पाया गया कि 2 जुलाई से 25 जुलाई के बीच कम से कम 61 संगोष्ठी या वार्ता हुई। इनमें से कुछ सरकार द्वारा शुरू किए गए और मुख्य कार्यकारी जॉन ली के नेतृत्व में थे, जैसे कि सिविल सेवा ब्यूरो द्वारा आयोजित चार सत्र। इन विभिन्न आयोजनों में विभिन्न रैंकों के 1,270 से अधिक सिविल सेवकों ने भाग लिया। दर्जनों अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जहां किंडरगार्टन उम्र के बच्चों और प्राथमिक विद्यार्थियों ने भी इन कार्यक्रमों में भाग लिया। राजनीतिक वैज्ञानिक इवान चॉय ने कहा कि यह सब इंगित करता है कि हांगकांग अपने सभी बीजिंग समर्थक संगठनों के साथ चीन के नक्शेकदम पर अधिक बारीकी से चल रहा है।

मंकीपॉक्स के खतरे के बावजूद कम नहीं हुई भारतीयों की विदेश यात्रा की मांग

कतर: मंकीपॉक्स के वैश्विक खतरे के बावजूद भी भारतीयों की विदेश यात्रा की मांग कम होने का नाम नहीं ले रही है। हवाई यात्रा की ऊंची कीमतों के बाद भी लाखों की संख्या में भारतीय यात्री ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर जुटे हुए हैं और एयरलाइनों को विदेशी बुकिंग में तेजी देखने को मिल रही है। अधिकारियों और उद्योग पर नजर रखने वालों ने कहा कि भारतीय वाहक कंपनियां अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में पूर्व कोविड के समय की तरह यात्रियों की बड़ी संख्या का अनुभव कर रहे हैं। बाजार की हिस्सेदारी के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा वाहक इंडिगो मध्य पूर्व के लिए अपनी उड़ानों में दो साल से अधिक समय पहले की तुलना में बहुत अधिक सीटें भर रहा है। विस्तारा भी अपनी कुछ उड़ानों में यात्री भार घटक को 80 प्रतिशत तक बढ़ा रहा है। कतर टूरिज्म की प्रवक्ता देविका निझावन ने कहा कि अरब राष्ट्र द्वारा आयोजित फीफा विश्व कप में चार महीने से भी कम समय बचा है, जिसके लिए भारत की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय रही है।उन्होंने कहा कि हम फीफा विश्व कप के लिए 1 मिलियन से अधिक पर्यटकों की उम्मीद कर रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि भारत सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं में से एक होगा। हम गति बनाए रखने और भारतीय यात्रियों की क्षमता को पूरी तरह से अनलॉक करने के अपने प्रयासों में तेजी लाने के लिए तत्पर हैं। कतर ने 2019-2021 से दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ भारत से आगंतुकों के आगमन में लगातार वृद्धि देखी है और भारत की रैंकिंग उच्चतम स्रोत बाजार के रूप में हुई है।

एक जानकार ने कहा कि सिंगापुर की यात्रा की मांग भी अधिक है क्योंकि दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने प्रवेश मानदंडों में ढील दी है। इस वर्ष की पहली छमाही में सिंगापुर को मिले 1.5 मिलियन आगंतुकों में से भारतीयों ने दूसरे सबसे बड़े समूह का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 219,000 से अधिक देश का दौरा कर रहे थे। सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड में भारत मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक जीबी श्रीथर ने कहा कि जुलाई संख्या संतोषजनक थी और द्वीप को भारत से अच्छे आगंतुक संख्या प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि चांगी हवाई अड्डा पहले से ही भारत की पूर्व-कोविड उड़ान क्षमता के लगभग 70 प्रतिशत की बहाली देख रहा है, जिसमें 180 से अधिक साप्ताहिक सेवाएं शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में जापानी इंसेफलाइटिस के आठ नए मामले सामने आए, एक और मरीज की मौत

गुवाहाटी। असम में शनिवार को जापानी इंसेफलाइटिस से एक और मरीज की मौत हो गई, जिससे राज्य में जुलाई में इस संक्रमण से दम तोड़ने वालों की संख्या बढ़कर 48 पर पहुंच गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के मुताबिक, असम में जापानी इंसेफलाइटिस के आठ नए मामले आए हैं। इससे राज्य में एक जुलाई से लेकर अब तक कुल 302 लोग संक्रमित हो चुके हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को असम में जापानी इंसेफलाइटिस से मौत का एकमात्र मामला चिरांग में सामने आया। वहीं, बारपेटा में तीन, जबकि बक्सा, बोंगाईगांव, चराईदेव, मोरीगांव और उदलगुरी में एक-एक मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। असम में शुक्रवार को जापानी इंसेफलाइटिस के सात मामले आए थे और तीन मरीजों की मौत हुई थी। मौजूदा समय में साउथ सलमारा, दीमा हसाओ और कार्बी आंगलोंग को छोड़कर राज्य के सभी जिले इस संक्रमण से प्रभावित हैं।

नोएडा में तीन चीनी नागरिक गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने वीजा अवधि खत्म होने के बाद अवैध रूप से भारत में रह रहे तीन चीनी नागरिकों को शनिवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ (नोएडा यूनिट) कुलदीप नारायण ने बताया कि जून माह में बिहार के सीतामढ़ी जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने दो चीनी नागरिकों को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच कर रही नोएडा पुलिस ने दोनों चीनी जासूसों को नोएडा में शरण देने वाले चीनी नागरिक जू-फाई उसकी, महिला मित्र, रवि नटवरलाल, पुष्पेंद्र सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। नारायण ने बताया कि मामले की जांच कर रही एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की। उनके पास से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और सामग्री बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने शनिवार को इस मामले में चेन जुन्फेंग, लियू पेंगफे, झंग क्यूचाओ को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से एक ही नंबर प्लेट की दूतावास की दो कार, एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि दो चीनी नागरिक वीजा अवधि खत्म होने के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे थे जबकि एक फर्जी भारतीय दस्तावेज के आधार पर रह रहा था। पिछले दो महीने में करीब 30 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया जो नोएडा या ग्रेटर नोएडा में अवैध रूप से रह रहे थे अथवा भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे थे।

आईटीबीपी के डीजी संजय अरोड़ा बने दिल्ली के नए कमिश्नर

नई दिल्ली। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक संजय अरोड़ा को राष्ट्रीय राजधानी का नया कमिनश्वर बनाया गया है। आपको बता दें कि राकेश अस्थाना रिटायर हो रहे हैं। संजय अरोड़ा उनकी नए कमिश्नर के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। गृह मंत्रालय ने संजय अरोड़ा की नियुक्ति की है। संजय अरोड़ा तमिलनाडु काडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आईपीएस संजय अरोड़ा ने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। आईपीएस बनने के बाद उन्होंने तमिलनाडु पुलिस में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वह स्पेशल टास्क फोर्स के पुलिस अधीक्षक (एसपी) थे, जहां उन्होंने वीरप्पन गिरोह के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता हासिल की, जिसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री के वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। साल 1991 में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा प्रशिक्षित होने के बाद संजय अरोड़ा ने एलटीटीई की गतिविधि के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने तमिलनाडु के विभिन्न जिलों के पुलिस अधीक्षक के रूप में भी कार्य किया है। संजय अरोड़ा ने 1997 से 2002 तक कमांडेंट के रूप में प्रतिनियुक्ति पर आईटीबीपी में सेवा की। उन्होंने 1997 से 2000 तक उत्तराखंड के मतली में आईटीबीपी बटालियन की सुरक्षा में एक सीमा की कमान संभाली थी। संजय अरोड़ा ने 2000 से 2002 तक मसूरी के आईटीबीपी अकादमी में कमांडेंट के रूप में सेवारत रहे। संजय अरोड़ा को बीएसएफ, सीआरपीएफ में उच्च पदों पर कार्य करने का भी अनुभव है।

देश में 24 घंटे में सामने आए 19,673 नए कोरोना केस, 39 लोगों की मौत

नई दिल्ली । देश में एक दिन में कोरोना वायरस के 19,673 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,40,19,811 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,43,676 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।
आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 39 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,26,357 हो गई है। देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 292 का इजाफा हुआ है। बीमारी से अब तक जितने लोग स्वस्थ हुए हैं, उनकी संख्या बढ़कर 4,33,49,778 हो गई है और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.96 प्रतिशत है और साप्ताहिक संक्रमण दर 4.88 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड-रोधी टीकों की 204.25 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। देश भर में बीमारी के कारण जिन 39 मरीजों की मौत हुई है उनमें से पश्चिम बंगाल से सात, महाराष्ट्र से चार, दिल्ली से तीन, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश से दो-दो मरीज तथा असम, गोवा, कर्नाटक, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा और उत्तराखंड से एक-एक मरीज ने दम तोड़ा है।

कर्नाटक पुलिस ने प्रवीण नेतारु हत्याकांड मामले में केरल से एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण कुमार नेतारु की निर्मम हत्या मामले में विशेष जांच दल ने केरल के तलाचेरी से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को कहा कि संदिग्ध की पहचान आबिद के रूप में हुई है, जो एक चिकन की दुकान में काम करता है और उसके राजनीतिक संगठन से भी मजबूत संबंध हैं। पुलिस ने आगे कहा कि जांच से पता चला है कि जिस दिन प्रवीण की हत्या की गई उस दिन आबिद शहर में नहीं था। प्रवीण की हत्या के मामले में पुलिस जाकिर सावनूर (29) और शफीक बेल्लारे (27) को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले दो महीने से प्रवीण की हत्या की साजिश रच रहा था। आरोपी व्हाट्सएप कॉल के जरिए संपर्क में थे और प्रवीण को धमकी भरे कॉल भी कर रहे थे। प्रवीण ने अपने दोस्तों के साथ धमकी भरे कॉल की बात साझा की थी और इस बारे में बेल्लारे पुलिस को मौखिक रूप से सूचित भी किया था। पुलिस अब सभी सुरागों की जांच कर रही है। 26 जुलाई को दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे कस्बे में बाइक सवार बदमाशों ने प्रवीण पर हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने प्रवीण के परिवार से मुलाकात की और सरकार की ओर से मुआवजे के रूप में 25 लाख रुपये का चेक दिया। पार्टी ने अलग से 25 लाख रुपये दिए थे।

2025 के कुंभ में दिखेगी सतयुग के समुद्र मंथन की झांकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार कुंभ को भव्यतम रूप देने की योजना में जुटी है। 2025 में आयोजित होने वाले कुंभ में इस बार सतयुग के समुद्र मंथन की अद्भुत झांकी दिखाई देगी। 15 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से डिजिटल कुंभ संग्रहालय बन रहा है। यह संग्रहालय मंदराचल पर्वत से लेकर अनेक दृश्य को साकार करेगा। इसमें जाने वाले श्रद्धालुओं को उस दौर का अनुभव कराएगा जिन-जिन समय में घटनाएं घटी हैं। मुख्यमंत्री योगी का विजन है कि उत्तर प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया जाए। इसको ध्यान में रखकर बन रहा यह संग्रहालय सनातन धर्म की गौरवशाली परंपरा त्याग और ज्ञान का आभास कराएगी। यहां आने वाले पर्यटकों का साक्षात्कार भारत के महान ऋषियों, मुनियों एवं महापुरुषों के व्यक्तित्व से होगा। यह संग्रहालय 2025 में होने वाले महाकुंभ से पहले बनकर तैयार हो जाएगा। इसके लिए अरैल एरिया में जमीन चिन्हित कर ली गई है। संग्रहालय को बनाने के लिए इसे तीन चरणों में बांटा गया है, जिसमें पर्यटकों से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। पहले चरण में पार्किंग, तालाब, संग्रहालय, टिकट एवं लॉकर की व्यवस्था रहेगी। वहीं दूसरे चरण में एग्जीबिशन एवं कॉन्फ्रेंस हॉल, बिजली घर और संग्रहालय के विषय में जानकारी के लिए डिजिटल कियॉस्क बनाए जाएंगे।

लोगों को संवैधानिक प्रावधानों के बारे में सरल शब्दों में समझाएं: प्रधान न्यायाधीश रमण

रायपुर। (एजेंसी)।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण ने रविवार को कहा कि कोई संवैधानिक गणतंत्र तभी आगे बढ़ सकता है, जब उसके नागरिक इस बात से अवगत हों कि उनके संविधान में क्या परिकल्पना की गई है। न्यायमूर्ति रमण ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उसके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। कानून की पढ़ाई करने वाले स्नातकों का प्रयास होना चाहिए कि वे लोगों को संवैधानिक प्रावधानों को सरल शब्दों में समझाएं। उन्होंने हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कानून को सामाजिक परिवर्तन का एक साधन बताया और कहा कि विधि स्कूली शिक्षा को स्नातकों को सामाजिक इंजीनियरों में बदलना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि युवाओं की यह पीढ़ी दुनिया को क्रांति की ओर ले जा रही है। चाहे जलवायु संकट हो या मानवाधिकारों का उल्लंघन वे दुनिया भर में एक एकजुट ताकत हैं। वास्तव में, तकनीकी क्रांति ने हम में से प्रत्येक को वैश्विक नागरिक बना दिया है। यह हम सभी के लिए क्रांति में शामिल होने का समय है।

उन्होंने कानून और संविधान के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, दुखद वास्तविकता यह है कि आधुनिक स्वतंत्र भारत की आकांक्षाओं को परिभाषित करने वाला सर्वोच्च दस्तावेज़ कानून के छात्रों, वकीलों और भारतीय आबादी के एक बहुत छोटे हिस्से के ज्ञान तक ही सीमित है। न्यायमूर्ति रमण ने कहा, एक संवैधानिक गणतंत्र तभी आगे बढ़ेगा, जब उसके नागरिक इस बात से अवगत होंगे कि उनके संविधान में क्या परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि युवा अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के माध्यम से वकालत के पेशे में नए मुकाम हासिल कर रहे हैं।

इस बीच, मुख्य न्यायाधीश ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने सुना है कि उनकी सरकार राज्य में न्यायिक समुदाय की ढांचागत और बजटीय जरूरतों का पर्याप्त ध्यान रख रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी और छत्तीसगढ़ न्यायपालिका को सर्वोत्तम बुनियादी ढांचा प्रदान करने के मामले में एक आदर्श के रूप में उभरेगा। राज्य के मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आये थे।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एस अब्दुल नज़ीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरूप कुमार गोस्वामी भी उपस्थित थे। एचएनएलयू के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, बी.ए. एल.एल.बी (ऑनर्स) (2015-2020 का बैच) से 60 छात्र, बी.ए. एल.एल.बी (ऑनर्स) (2016-2021) से 147, एल.एल.एम (2019-2020) से 49 और एल.एल.एम (2020-2021) से 61 छात्रों समेत पीएचडी के चार छात्रों को डिग्री प्रदान की गयी।

नरेंद्र मोदी कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट

नई दिल्ली। भाजपा नेतृत्व द्वारा मिशन 2024 की रणनीति के तहत संगठन स्तर पर किए जा रहे तमाम बदलावों के बीच केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल व विस्तार की सुगबुगाहट भी है। संसद के मानसून सत्र के बाद इसकी संभावना जताई जा रही है। विस्तार में जद (यू) व शिवसेना के बागी गुट को जगह मिल सकती है। सरकार में अभी सहयोगी दलों से एक भी कैबिनेट मंत्री नहीं है। केवल रिपब्लिकन पार्टी से रामदास आठवले राज्यमंत्री हैं। बीते दिनों राज्यसभा कार्यकाल पूरा होने और फिर से चुन कर न आने से जदयू के आरसीपी सिंह व भाजपा के मुख्तार अब्बास नकवी ने इस्तीफा दे दिया था। यह दोनों पद अभी रिक्त हैं। इनमें इस्पात मंत्रालय ज्योतिरादित्य सिंधिया व अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय स्मृति ईरानी को दिया गया है। आरसीपी सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में भाजपा के सहयोगी दलों से एक भी कैबिनेट मंत्री नहीं है। इस बीच, शिवसेना के बागी गुट के भाजपा के साथ आने और महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद उसे भी केंद्र में जगह दिए जाने की संभावना है। इससे उद्धव ठाकरे को एक और झटका देने के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाले गुट का असली शिवसेना का दावा और मजबूत किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल में अभी प्रधानमंत्री समेत 29 कैबिनेट मंत्री हैं। दो स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्रियों के साथ 47 राज्यमंत्री हैं। राज्य मंत्रियों में दो स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिपरिषद में छोटा फेरबदल किया जा सकता है, जिसमें अधिकतम एक दर्जन मंत्री शामिल या प्रभावित होंगे।

बिहार ग्राम संसद में बोले जेपी नड्डा पंचायतों को मजबूती देने के लिए पांच गुना पैसा बढ़ाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि अंत्योदय की परिकल्पना पहली बार धरती पर उतारने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय का विषय उठाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचायतों को मजबूती देने का काम किया है। उन्होंने अंत्योदय को सबका साथ, सबका विकास और सबके प्रयास में परिणत किया। मोदी सरकार ने पंचायतों का पैसा पांच गुना बढ़ा दिया है। वह यहां एक होटल में आयोजित कार्यक्रम 'बिहार ग्राम संसद' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। जेपी नड्डा ने नानाजी देशमुख द्वारा चित्रकूट के गांवों के विकास और स्वावलंबन के लिए किये गये कार्यों को नजीर बताते हुए सभा में मौजूद मुखियों से एकबार वहां जाकर देखने का आग्रह किया। कहा कि ग्राम स्वराज की कल्पना महात्मा गांधी ने की। उसे वैचारिक पृष्ठभूमि पर अमलीजामा पहनाया भारतीय जनसंघ और भाजपा ने दिया है। कांग्रेस ने कभी को-ऑपरेटिव फार्मिंग की बात की, कभी कलेक्टिव फार्मिंग की, लेकिन किसान, गांव, गरीब की अंर्तआत्मा को पहचाने की उनकी सतही सोच रह गयी। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार की देर रात बिहार सरकार के भाजपा कोटे के मंत्रियों संग बैठक की। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय, उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद व रेणु देवी, बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल भी बैठक में शामिल रहे। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार सरकार के अपने मंत्रियों से फीडबैक लिया। सरकार के कामकाज को लेकर उनकी राय जानी। उनके महकमे में विकास कार्यों की स्थिति के अलावा केन्द्र सरकार की योजनाओं की क्रियान्वयन की स्थिति भी जानी। बैठक में दो मंत्रियों सुभाष सिंह व श्रीनारायण प्रसाद को छोड़कर भाजपा कोटे के सभी 14 मंत्री मौजूद रहे। इनमें मंगल पांडेय, शाहनवाज हुसैन, नितिन नवीन, डॉ. आलोक रंजन झा, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, जीवेश कुमार, सम्राट चौधरी, नीरज बब्लू, रामप्रीत पासवान, प्रमोद कुमार, जनक राम और रामसूरत राय शामिल रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंत्रियों संग रात्रि भोजन भी किया। इसके बाद बिहार भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ भी उन्होंने बैठक की।

भारत में मिला मंकीपॉक्स का स्ट्रेन यूरोप में फैले स्ट्रेन जैसा नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश के दक्षिण राज्य केरल में मंकीपॉक्स के दो मरीजों में मिला स्ट्रेन यूरोप में फैले वायरस के स्ट्रेन जैसा नहीं है। सीएसआईआर के इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी सीएसआईआर-आईजीआईबी के वैज्ञानिकों ने ये दावा जीनोम सिक्वेंसिंग की रिपोर्ट आने के बाद किया है। रिपोर्ट के अनुसार केरल में मिले मंकीपॉक्स के मरीजों में ए.2 स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। आईजीआईबी के जीनोम सिक्वेंसिंग वैज्ञानिक विनोद स्कैरिया ने बताया है कि देश में मंकीपॉक्स के चार मामले सामने आए हैं। केरल में मिले दो मरीजों के सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग की गई है। इसमें दोनों ही मरीजों में ए.2 स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। वहीं यूरोपीय देशों में बी.1 वेरिएंट का प्रकोप ज्यादा है। मंकीपॉक्स का ए.2 स्ट्रेन अधिकतर अमेरिका और थाईलैंड में फैला है लेकिन ये सुपर स्प्रेडर या बड़े क्लस्टर के रूप में सामने नहीं आया है। यूरोपीय देशों में बी.1 स्ट्रेन का दायरा व्यापक है, हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं है कि वायरस का ये रूप कितना घातक और संक्रामक है। वैज्ञानिक स्कैरिया के अनुसार दुनियाभर में ए.2 स्ट्रेन के बहुत कम मामले सामने आए हैं। हालांकि जो भी मरीज सामने आए हैं उनमें से अधिकतर मरीज मध्य पूर्व या पश्चिम अफ्रीकी देशों से लौटे हैं। वे बताते हैं कि वर्ष 2021 में वायरस का प्रकोप अमेरिका में धीरे-धीरे प्रसार कर रहा था जब यूरोप में इसका प्रकोप चरम पर था। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की निदेशक डॉक्टर प्रिया अब्राहम का कहना है कि सभी वायरस समय के साथ अपने भीतर बदलाव करते हैं। डरने की जरूरत नहीं है। एकसाथ मंकीपॉक्स के दो आउटब्रेक हुए हैं।

समग्र शिक्षा मुहैया कराने के उद्देश्य से तैयार की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति : शाह

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार शाम को कहा कि छात्रों को समग्र और बहु-विषयक शिक्षा मुहैया कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 का मसौदा तैयार किया गया है। उन्होंने छात्रों से कामयाब बनने के लिए कठिन परिश्रम करने को कहा और साथ ही उन्हें समाज की भलाई के लिए काम करने को प्रेरित भी किया। चंडीगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर आए शाह ने शनिवार शाम मौली जागरण में सरकारी मॉडल हाई स्कूल की नवनिर्मित इमारत का उद्घाटन किया।

उन्होंने सरकारी मॉडल हाई स्कूल, सेक्टर 12 और सरकारी मॉडल हाई स्कूल, किशनगढ़ की इमारतों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। शाह ने एक सभा में कहा, ÷एनईपी-2020 का मसौदा बहुत बारीकी से तैयार किया गया है। यह व्यक्तिगत विकास और छात्रों की क्षमताओं को विकसित करने पर केंद्रित है, ताकि वे अपने जीवन में उत्कृष्ट काम कर सकें।÷ उन्होंने कहा कि कामयाब बनने के लिए कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम में कई शिक्षकों की मौजूदगी का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पहले शिक्षकों को गुरु कहा जाता था और उनसे बच्चों के भविष्य को आकार देने में यही भूमिका निभाने का अनुरोध किया। गृह मंत्री ने कहा, ''ज्ञान हमारे जीवन को सुगंधित कर देता है।'' उन्होंने छात्रों से कड़ी मेहनत करने का अनुरोध किया, ताकि जब वे बड़े हों तो राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकें। शाह ने छात्रों से केंद्र सरकार के 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के तहत 13 से 15 अगस्त के बीच अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की।

महंगाई के मुद्दे पर डिफेंसिव होने की बजाय आक्रामक अंदाज में बैटिंग करने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र शनिवार रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को फिर शुरू होगा और कांग्रेस समेत देश के तमाम विरोधी दल बढ़ रही महंगाई को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधेंगे। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन यानी 18 जुलाई से विपक्ष लगातार संसद के दोनों सदनों में खाद्य पदार्थों पर लगाए गए जीएसटी और महंगाई के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा कर रहा है। 28 और 29 जुलाई की कार्यवाही को छोड़ दिया जाए (इन दोनों दिन अधीर रंजन चौधरी के बयान पर दोनों सदनों में हंगामा हुआ था) तो लगातार आठ दिनों तक संसद में महंगाई और जीएसटी को लेकर ही हंगामा होता रहा।

दरअसल, विपक्षी दलों को यह लग रहा है कि वो महंगाई और खाद्य पदार्थों पर लगाए गए जीएसटी पर चर्चा करा कर, सदन के जरिए सरकार को जनता के बीच बेनकाब कर सकती है लेकिन सरकार इस मुद्दें पर डिफेंसिव होने की बजाय आक्रामक अंदाज में बैटिंग करने की तैयारी कर रही है। विपक्षी दलों के नेता अपने सवालों की लिस्ट के साथ सरकार पर हावी होने की तैयारी कर रहे हैं तो वहीं भाजपा और सरकार के मंत्री महंगाई और खाद्य पदार्थों पर लगाए गए जीएसटी को लेकर विपक्षी दलों से ही सवाल पूछने की तैयारी कर रहे हैं।

सरकार के एक बड़े मंत्री ने बताया कि महंगाई और खाद्य पदार्थों पर लगाए गए जीएसटी के मुद्दे पर विपक्ष सिर्फ राजनीति कर रहा है। उनके राज्य सरकारों के मंत्री जीएसटी काउंसिल की बैठक में जीएसटी लगाने के प्रस्ताव को समर्थन करते हैं और बाहर ये राजनीतिक दल विरोध करने का नाटक करते हैं। उन्होने कहा कि सदन में अगर इस मुद्दे पर चर्चा होती है तो जनता के सामने विपक्ष का पदार्फाश हो जाएगा।

भाजपा के पास सवालों की एक लंबी लिस्ट तैयार है जो सदन में चर्चा के दौरान उनके सांसद और जवाब देने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी विपक्षी दलों से पूछती नजर आएंगी। सरकार महंगाई के मुद्दे पर सबसे ज्यादा हंगामा करने वाले राजनीतिक दलों- कांग्रेस, टीएमसी, टीआरएस, डीएमके, आप और लेफ्ट से यह पूछेगी कि उनकी राज्य सरकारों ने आम जनता को महंगाई से राहत देने के लिए अब तक क्या किया? उनकी राज्य सरकारों ने एनडीए सरकारों की तर्ज पर आम जनता को महंगाई की मार से राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर वैट की दर को क्यों नहीं घटाया? खाद्य पदार्थों पर लगाए गए जीएसटी को लेकर मचे राजनीतिक बवाल पर भी सरकार विपक्षी दलों से यह पूछने की तैयारी कर रही है कि बाहर इस मसले पर हंगामा करने वाले कांग्रेस, टीएमसी, टीआरएस, डीएमके, आम आदमी पार्टी और लेफ्ट की राज्य सरकारों के मंत्रियों ने जीएसटी काउंसिल में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से कैसे पारित होने दिया? आखिर विपक्ष यह किस तरह की राजनीति कर रहा है कि जिस प्रस्ताव को उनके मंत्री सर्वसम्मति से जीएसटी काउंसिल की बैठक में पारित करते हैं, उसी प्रस्ताव पर विपक्षी दल सदन में लगातार हंगामा कर रहे हैं और सदन की कार्यवाही चलने नहीं दे रहे हैं?

यूपीए सरकार के दौरान महंगाई की दर का हवाला देते हुए सरकार सदन में चर्चा के दौरान यह पक्ष भी रखेगी कि वैश्विक संकट के बावजूद मोदी सरकार की कोशिशों की वजह से ही भारत में महंगाई की दर औसतन 4-6 प्रतिशत के बीच बनी हुई है।

बिजली कंपनियों के घाटे के लिए मुफ्त की रेवड़ियां जिम्मेदार सब्सिडी कल्चर पर फिर भड़के पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के बढ़ते बकाया को एक आसन्न संकट के रूप में चिह्नित करते हुए 'वोट के लिए रेवड़ियां' संस्कृति के अपने विरोध को और तेज कर दिया। वितरण क्षेत्र के सुधारों और एनटीपीसी की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की शुरुआत करते हुए उन्होंने बताया कि डिस्कॉम का उत्पादन कंपनियों पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है, क्योंकि उन्हें सब्सिडी नहीं मिली है। वहीं, सरकारी विभागों और स्थानीय निकाय के बिजली बिल का भी भुगतान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का बिजली क्षेत्र का घाटा दोहरे अंकों में है जबकि विकसित देश इसे एकल अंक में रखने में कामयाब रहे हैं। वितरण क्षेत्र के सुधारों के लिए एक पैकेज और नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को लॉन्च करते हुए उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि हम बहुत अधिक बिजली बर्बाद कर रहे हैं और इसके कारण हमें अपनी जरूरत से ज्यादा उत्पादन करना पड़ रहा है। उन्होंने राजनीति में रेवड़ी बांटने की संस्कृति (सब्सिडी कल्चर) के खिलाफ भी खूब सुनाया। वह इस महीने दूसरी बार इसके खिलाफ बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने 16 जुलाई को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए इसके खिलाफ बोला था। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस चेतावनी को तब और बढ़ा दिया जब मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने इस मुद्दे पर सुझाव दिया कि वित्त आयोग उन राज्यों को धन के प्रवाह को विनियमित करने पर विचार करे जो सब्सिडी दे रहे हैं। सीजेआई ने कहा, 'समय के साथ हमारी राजनीति में गंभीर विकृतियां आ गई हैं। राजनीति में लोगों को सच बताने का साहस होना चाहिए। लेकिन कुछ राज्यों में हम मुद्दों को कालीन के नीचे धकेलने की प्रवृत्ति देखते हैं। यह तत्काल तो राजनीतिक रूप से लाभदायक लग सकता है। लेकिन आज की इन चुनौतियों का समाधान नहीं करना हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर बोझ डालने जैसा है। पीएम मोदी ने कहा, ÷उत्पादन कंपनियां बिजली का उत्पादन कर रही हैं, लेकिन उन्हें भुगतान नहीं हो रहा है। जिस तरह एक घर बिना खाना पकाने के ईंधन के भूखा रह जाएगा, भले ही उसके पास मसाले हों। कोई वाहन बिना ईंधन के नहीं चलेगा, बिजली नहीं होने पर सब कुछ ठप हो जाएगा। अगर एक राज्य में बिजली क्षेत्र कमजोर हो जाता है तो इसका असर पूरे देश पर पड़ता है। पीएम मोदी ने कहा कि यह राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति एवं राष्ट्र-निर्माण से जुड़ा हुआ मुद्दा है। बिजली देश के विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों पर इन बिजली कंपनियों का एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों एवं स्थानीय निकायों की भी इन बिजली वितरण कंपनियों पर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक देनदारी बाकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों ने अभी तक बिजली कंपनियों को 75,000 करोड़ रुपये की अपनी सब्सिडी प्रतिबद्धता भी पूरी नहीं की है। राज्यों की तरफ से उपभोक्ताओं को दी जाने वाली रियायती बिजली के एवज में यह सब्सिडी राशि दी जानी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई कानून को लेकर हाईकोर्ट कर्नाटक का बड़ा फैसला बना चर्चा का विषय

कर्नाटक हाई कोर्ट का फैसला अब जानकारी समय पर नही दी तो हर्जाने के साथ लगेगा 5 प्रतिशत तक ब्याज

अब RTI की जानकारी नही देने पर लगेंगे हर्जाने पर व्याज,अब लोक सूचना अधिकारियों की खैर नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आरटीआई कानून को लेकर हाई कोर्ट कर्नाटक का एक बड़ा फैसला सामने आया है। रिट पिटिशन क्रमांक 4913/2022 सिजो सेबेस्टियन बनाम कर्नाटक राज्य के एक मामले में 26 जुलाई 2022 को जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित ने अपने फैसले में कहा कि जिस प्रकार सरकारी विभाग आम व्यक्ति को परेशान करते हैं और जानकारी समय पर नहीं देते उनके लिए यह आंख खोलने वाला आदेश होगा। उन्होंने अपने फैसले में कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े हुए एक मामले में खंड शिक्षा अधिकारी को 25 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया है और 10 हज़ार रुपये का हर्जाना देने के लिए आदेश दिए हैं।

साथ ही यदि हर्जाना आदेश के तुरंत बाद नहीं दिया जाता तो प्रथम माह में वार्षिक तौर पर 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लगेगा और यदि एक माह का समय व्यतीत होता है तो अगले माह से 5 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज लगाया जाएगा।

इसी बात को लेकर आरटीआई रिवॉल्यूशनरी ग्रुप और इससे जुड़े हुए कई सामाजिक संगठनों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 110 वां आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप, राजस्थान से आरटीआई एक्टिविस्ट ताराचंद्र जांगिड़, उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर, जोधपुर राजस्थान से सुरेंद्र जैन एवं लखनऊउत्तर प्रदेश से आलोक कुमार सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी बातें रखी और कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में डिस्कशन के दौरान विभिन्न प्रकार के हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अन्य आदेशों पर चर्चा की गई और बताया गया कि

कर्नाटक हाई कोर्ट का जो वर्तमान में हर्जाने पर ब्याज लगाने जैसा आदेश हुआ है यह अपने आप में अद्वितीय है।

सूचना छुपाने वाले लोक सूचना अधिकारियों की खैर नहीं, आवेदकों को देना होगा हर्जाना और उस पर लगेगी ब्याज

राष्ट्रीय स्तर के वेबीनार कार्यक्रम के दौरान यह बात सामने आई कि देश के सभी सूचना आयोग अब इसी तर्ज पर काम करेंगे तो आरटीआई कानून को मजबूती मिलेगी। जिस प्रकार लोक सूचना अधिकारियों के द्वारा अक्सर धारा 8, 9 अथवा 11 का हवाला देते हुए सूचना छिपाने का काम किया जाता है उससे कहीं न कहीं जो आवेदक हैं वह काफी प्रताड़ित होते हैं और उन्हें प्रथम, द्वितीय अपील के साथ-साथ सूचना आयोग में शिकायत और फिर बाद में हाई कोर्ट में रिट पिटिशन लगाना पड़ता है। इसी बात को ध्यान रखते हुए कर्नाटक

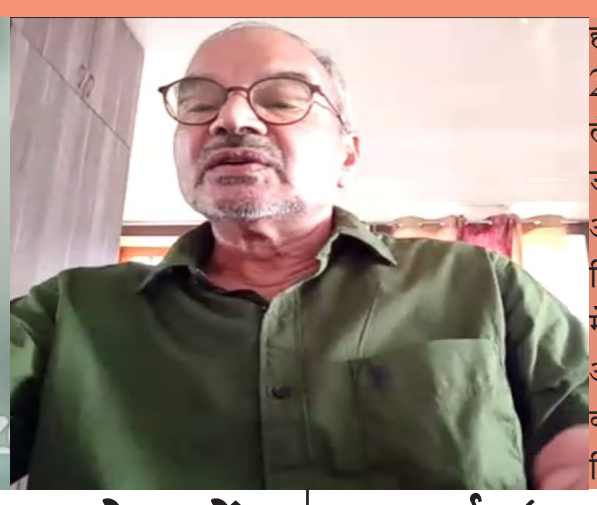

हाई कोर्ट से जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित के द्वारा दिनांक 26 जुलाई 2022 को उक्तविषय में दिया गया आदेश लैंडमार्क निर्णय के तौर पर देखा जा रहा है। वेबीनार में उपस्थित विशेषज्ञों शैलेश गांधी और आत्मदीप सहित अन्य आरटीआई एक्टिविस्ट के द्वारा यह बात रखी गई कि निश्चित तौर पर यह फैसला आगे आने वाले समय में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और लोक सूचना अधिकारियों पर हर्जाने के साथ ब्याज भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया

नाबालिग छात्राओं के शारीरिक शोषण के आरोप में सूरत की सरकारी स्कूल का आचर्य गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के पूणा क्षेत्र की सरकारी स्कूल के एक आचार्य को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। आचार्य पर आरोप है कि उसने स्कूल में नाबालिग छात्राओं का शारीरिक शोषण किया। घटना के बाद प्रशासन ने उसे सस्पैंड कर संतोष कर लिया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आचार्य भाग गया था। लेकिन आज सूरत पहुंचे ही पुलिस ने उसे धर लिया। जानकारी के मुताबिक सूरत की नगर प्राथमिक शिक्षा समिति पूणा क्षेत्र की स्कूल के आचार्य निशांत व्यास ने वर्ष 2018 में 14 वर्षीय छात्रा का शारीरिक शोषण किया था। आचार्य ने छात्रा को अपनी ऑफीस में बुलाकर उसके कपड़े उतरवाए और वीडियो बनाया था। इतना ही नहीं आचार्य ने अन्य 5 से 7 छात्राओं का भी शारीरिक शोषण किया था। जिसे लेकर अभिभावकों ने समय समय पर कई बार शिकायत की थी। उस वक्त प्रशासन ने जांच समिति का गठन किया और आचार्य निशांत व्यास को सस्पैंड कर संतोष कर लिया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आचार्य अपने घर से भाग गया था। इस बीच आचार्य अपने किसी रिश्तेदार से मिलने सूरत आया था। इसकी भनक लगते ही सूरत पुलिस ने आचार्य निशांत व्यास को गिरफ्तार कर लिया।

एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) और एटीएस की एक टीम गुजरात के अहमदाबाद,सूरत,भरूच और नवसारी में जांच

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

एनआईए ने देश भर में 13 अलग-अलग स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। एसआईएस के मॉड्यूल को लेकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।गुजरात के सूरत से एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। एनआईए और एटीएस की टीम ने सूरत के सैयदपुरा इलाके में कैंप लगाया है. युवक से पूछताछ की सूचना मिली है। कर्नाटक और तमिलनाडु में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सूरत के युवक का नाम सामने आया है. पिछले कुछ महीनों से एनआईए कुछ खास मानसिकता वाले लोगों की गतिविधियों और कुछ क्षेत्रों में गतिविधियों की निगरानी कर रही थी। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) और एटीएस की एक टीम गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भरूच और नवसारी में जांच कर रही है।